हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 38 ● भिलाई, बुधवार 26 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सीजेपी ने 5 सितंबर को दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक मार्च का ऐलान किया

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति की सोमवार को दिल्ली में बैठक हुई। बैठक के बाद पार्टी ने घोषणा की कि वह सरकार द्वारा 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किए जाने के विरोध में 5 सितंबर को इंडिया गेट से दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक मार्च निकालेगी। पार्टी के अनुसार, मार्च की अगुवाई आत्महत्या कर चुके नीट अभ्यर्थियों के परिजन और पुलिस की कथित बर्बरता के शिकार लोगों के परिवारजन करेंगे। पार्टी ने आरोप लगाया कि 25 जुलाई को युवाओं से किए गए आश्वासनों को पूरा करने की दिशा में केंद्र सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इसी के चलते पार्टी ने पहले अपना विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया था। अब वादे पूरे नहीं होने का आरोप लगाते हुए दोबारा आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया है। कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने और आत्महत्या करने वाले नीट अभ्यर्थियों के परिजनों को मुआवजा देने के संबंध में सरकार की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, हथियारों का जखीरा बरामद

तेजपुर। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में सुरक्षा बलों ने सोमवार को दो अलग-अलग तलाशी अभियानों के दौरान हथियारों, गोला-बारूद और सुरक्षा उपकरणों का बड़ा जखीरा बरामद किया। एक अन्य कार्रवाई में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट से जुड़े एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों अभियानों में बरामद हथियारों और गोला-बारूद को कब्जे में लेकर मामले की आगे जांच शुरू कर दी गई है। पहला तलाशी अभियान विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर इंफाल पूर्व जिले के सागोलमांग थाना क्षेत्र में चलाया गया। मुख्य रक्षा अभियान और 28 असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने सिनम कोम गांव की तलहटी में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक 7.62 मिलीमीटर।

पटना में बीपीएससी पेपर लीक विवाद को लेकर बवाल

सीएम आवास घेरने निकले छात्रों की पुलिस से हुआ झड़प

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार की राजधानी पटना में 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। परीक्षा में कथित पेपर लीक और अन्य गड़बड़ियों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों का गुस्सा आखिरकार मंगलवार को सड़कों पर फूट पड़ा। पिछले कई दिनों से गर्दनीबाग धरना स्थल पर प्रदर्शन कर रहे छात्र-युवाओं ने मंगलवार को अचानक उग्र रूप धारण करते हुए मुख्यमंत्री आवास की तरफ मार्च करने की कोशिश की, जिसके बाद शहर में भारी अफरा-तफरी मच गई। छात्र-युवा संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में परीक्षार्थी और युवा शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने जेपी गोलंबर के पास लगाई गई बैरिकेडिंग को बलपूर्वक तोड़ दिया और मुख्यमंत्री आवास की ओर आगे बढ़ने का प्रयास किया। छात्र अपनी 15 सूत्री मांगों को लेकर लगातार सरकार पर दबाव बना रहे हैं। आंदोलनकारी छात्रों की सबसे प्रमुख मांग 70वीं बीपीएससी परीक्षा को पूरी तरह से रद्द करना है। उनका आरोप है कि परीक्षा के संचालन में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं और पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आईं। इसी बात को लेकर छात्र पिछले कई दिनों से गर्दनीबाग में डटे हुए थे। सरकार और आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए छात्रों ने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की है। इसी कड़ी में मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास के घेराव का कार्यक्रम तय किया गया था, ताकि प्रशासन तक उनकी

आवाज जोर-शोर से पहुंच सके। बढ़ते विरोध प्रदर्शन के बीच, बिहार सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ियों और चिंताओं को दूर करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। सरकार ने परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के तरीकों पर विचार करने के लिए एक उच्च स्तरीय पांच सदस्यीय समिति के गठन का निर्णय लिया है। इस विशेष समिति की अध्यक्षता एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश (रिटायर्ड जज) करेंगे। यह कमेटी परीक्षा प्रणाली को मजबूत करने और भविष्य में किसी भी तरह की धांधली या अनियमितता को रोकने के लिए ठोस उपायों की समीक्षा करेगी। सरकार का यह फैसला छात्रों की चिंताओं को दूर करने और रिक्रूटमेंट प्रोसेस में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी दी कि सरकार छात्रों की समस्याओं, शिकायतों और सुझावों के त्वरित समाधान के लिए आज से 'स्टूडेंट सपोर्ट कैंप' शुरू कर रही है। उन्होंने बताया कि हर महीने के चौथे मंगलवार को शैक्षणिक संस्थानों में इन कैंपों का आयोजन किया जाएगा, जिसके जरिए छात्र अपनी बात सीधे सरकार और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा सकेंगे।

छात्रों की लगभग सभी मांगे मान ली गई है

बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि सरकार ने छात्रों के उठाए गए मुद्दों को सुलझा लिया है और आगे बातचीत के लिए दरवाजे खुले हैं। छात्र जिन मुद्दों को लेकर धरना दे रहे थे, उनसभी पर बात हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा नहीं है कि छात्र आंदोलन ही इसका अकेला कारण था; सरकार का इरादा हमारे युवाओं की समस्याओं को समय पर हल करना है। हमने युवाओं के उठाए गए हर मुद्दे पर ध्यान दिया है। शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि मुझे यह सुनकर हैरानी हुई कि एक ऐसा व्यक्ति जिसने कभी बोर्ड का एग्जाम भी नहीं दिया, वह एग्जाम पर सुझाव दे रहा है। इसलिए मैं तेजस्वी यादव से कहूंगा कि वह बिहार के किसी सरकारी स्कूल में एडमिशन लें। दसवीं का एग्जाम पास करें और फिर एग्जाम पर हमें सुझाव देने आएं।

मनुस्मृति पर राहुल गांधी के बयान पर भड़के जगद्गुरु

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- हिंदू धर्म विरोधी मानसिकता त्यागें

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तराखंड के जोशीमठ में स्थित उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मनुस्मृति पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को लेकर उन पर निशाना साधा है। उन्होंने राहुल गांधी को सनातन विरोधी बताते हुए कहा कि मनुस्मृति और सनातन परंपरा को लेकर उनकी समझ सतही है। कांग्रेस नेता को कोई भी बयान देने से पहले मनुस्मृति का गहन अध्ययन करना चाहिए। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि पुणे में राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं के प्रमुख धर्मशास्त्र मनुस्मृति और सनातन सांस्कृतिक विचारों को लेकर दिया गया बयान उनकी अज्ञानता, सतही समझ और सनातन परंपरा के प्रति दुर्भावनापूर्ण सोच को सामने लाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए धर्मशास्त्रों के श्लोकों को उनके मूल संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्राचीन ग्रंथ को समझने के लिए उसके पूरे संदर्भ और शास्त्रीय अर्थ को समझना जरूरी है। सिर्फ किसी एक श्लोक या पंक्ति के आधार पर पूरी परंपरा के बारे में निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। स्वाम अविमुक्तेश्वरानंद ने राहुल गांधी द्वारा कार्यक्रम के दौरान बोले गए 'पिता रक्षति कौमारे, भर्ता रक्षति यौवने' श्लोक का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस श्लोक को स्त्री की परतंत्रता से जोड़कर देखना सही नहीं है।

नागपुर में क्लोरीन गैस लीक से अफरा-तफरी, 40 लोग अस्पताल में भर्ती

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर स्थित गोधनी इलाके में क्लोरीन गैस का रिसाव होने से हड़कंप मच गया है। यहां महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के वाटर प्यूरीफिकेशन प्लांट से अचानक क्लोरीन गैस लीक हो गई। इसकी चपेट में आकर 40 लोगों को खांसी और सांस लेने में परेशानी होने लगी, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एहतियात के तौर पर पूरे इलाके को सील किया गया है और लोगों को दूर रहने की सलाह दी गई है। यह घटना रात करीब 1 बजे महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के गोधनी म्युनिसिपल काउंसिल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में हुई। यहां 900 किलोग्राम क्षमता वाले सिलेंडर से क्लोरीन गैस लीक होने लगी।

सरेंडर के लिए दिया दो हफ्ते का टाइम

तरुण तेजपाल को जाना ही होगा जेल...कोर्ट ने ठुकराई याचिका...

नई दिल्ली। एजेंसी

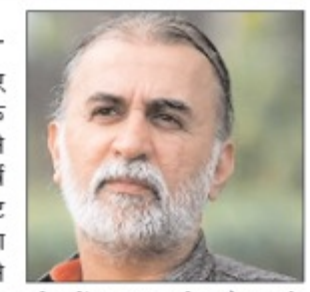

रेप केस में दोषी ठहराए गए तहलका मैगजीन के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने पूर्व संपादक को सरेंडर करने से छूट देने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफकहा कि तेजपाल को दो हफ्ते के भीतर सरेंडर करना होगा और इसका सर्टिफिकेट भी जमा करना होगा। इसके बाद 22 सितंबर को उनकी अपील पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट के नियमों के मुताबिक, किसी सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई से पहले दोषी को सरेंडर करना होता है। इसके लिए सरेंडर सर्टिफिकेट जमा करना जरूरी होता है। अगर कोई व्यक्ति सरेंडर नहीं करना चाहता, तो उसे इसके लिए अलग से छूट मांगनी होती है। सुनवाई के दौरान गोवा सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसी नियम का हवाला दिया। तरुण तेजपाल की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील का इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि बॉम्बे हाई कोर्ट पहले ही तेजपाल की सजा पर रोक लगा चुका है, इसलिए उन्हें दोबारा सरेंडर करने के लिए कहना उचित नहीं होगा। सिब्बल ने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट राहत नहीं देता है तो तेजपाल हिरासत में जाने के लिए तैयार हैं। मामला नवंबर 2013 का है, जब गोवा में आयोजित 'थिंक फेस्ट' कार्यक्रम के दौरान एक होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल पर अपनी जूनियर महिला सहकर्मी के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा था।

सीजेपी संस्थापक दीपके का बड़ा दावा

कॉकरोच किसके लिए कहा गया था

नई दिल्ली। कॉकरोच शब्द को लेकर छिड़ा विवाद अब नए मोड़ ले लिया है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया है कि कॉकरोच शब्द सौरव दास के लिए इस्तेमाल किया गया था। दरअसल सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता न्यूज 24 को दिए एक इंटरव्यू में सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने पत्रकारिता करियर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वो कानून पर लिखते हैं और ज्यादातर जजों पर भी लिखने का काम करते हैं। वहीं अभिजीत दीपके ने कहा, जो कॉकरोच शब्द का उपयोग किया गया था, वो प्रवक्ता सौरव के लिए ही किया गया था क्योंकि उस वक्त सबसे ज्यादा यही लिख रहा था। एक इंटरव्यू में सौरव दास ने भी बताया कि उस समय वकीलों और सेवानिवृत्त जजों ने उन्हें यही बात कही थी। उन्होंने मेरे संपर्क कर के कहा था की यह कॉमेंट आपके लिए ही किया गया है।

दिल्ली में आईटीओ पर कारों की जोरदार टक्कर, 2 विधायक समेत 6 घायल

नईदिल्ली। दिल्ली के आईपी एस्टेट इलाके में रविवार रात एक सड़क हादसे में 2 कारें आपस में टकरा गईं। घटना में दिल्ली की किराड़ी विधानसभा सीट से विधायक अनिल झा और कर्नाटक के विधायक अभय पाटिल समेत 6 लोगों को चोट आई है। बताया जा रहा है कि एक अनियंत्रित कार पहले डिवाइडर से टकराई फिर रेलिंग पारकर सामने से आ रही इनोवा से भिड़ गई। इनोवा में दोनों विधायक सवार थे। पुलिस के मुताबिक, हादसा रात करीब 9:30 बजे आईटीओ चौराहे पर पुराने पुलिस मुख्यालय के ठीक सामने हुआ। लक्ष्मी नगर से आईटीओ की ओर जा रही।

छत्तीसगढ़ के सांसद-विधायकों पर कितने केस

हाईकोर्ट ने जारी की रिपोर्ट,रायपुर जिले में सबसे ज्यादा मामले पाए..

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश में सांसदों और विधायकों से जुड़े लंबित आपराधिक मामलों की अपडेटेड स्टेटस रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में जुलाई 2026 तक बिलासपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, रायपुर और राजनांदगांव की निचली अदालतों में लंबित प्रकरणों की स्थिति, सुनवाई की तारीख और न्यायालयीन कार्रवाई का विवरण दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक बिलासपुर में कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव के खिलाफ अपराध क्रमांक 541/2026 में मामला दर्ज है। इसमें बीएनएस की धारा 190, 191(2), 192 और 126(2) के तहत प्रकरण सीजेएम बिलासपुर की अदालत में चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार

मामले में न्यायालयीन प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। बलौदाबाजार की तृतीय एडीजे और सीजेएम अदालत में तत्कालीन विधायक किशोर नवरंग, विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा समेत अन्य के खिलाफआपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। रिपोर्ट में इन मामलों की वर्तमान न्यायालयीन स्थिति का भी उल्लेख किया गया है। जांजगीर-चांपा जिला अदालत में भी कई आपराधिक मामले लंबित बताए गए हैं। इनमें कुछ प्रकरण अभियोजन साक्ष्य के चरण में हैं, जबकि अन्य मामलों में न्यायालयीन कार्यवाही जारी है। कबीरधाम सीजेएम कोर्ट में भी विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज प्रकरण विचाराधीन हैं। इनमें धरना-प्रदर्शन और कथित तौर पर शासकीय कार्य में बाधा समेत अन्य आरोपों से जुड़े मामले शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार सांसद-विधायकों से जुड़े सबसे अधिक मामले रायपुर की अलग-अलग विशेष अदालतों में लंबित हैं। इनमें एसीबी, ईडी, सीबीआई और सीजेएम अदालतों में चल रहे प्रकरण शामिल हैं।

गडकरी से मिले सांसद बृजमोहन

सांसद अग्रवाल ने रायपुर और लोकसभा क्षेत्र की कई सड़क परियोजनाओं पर सौंपा अनुरोध पत्र....

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, जनसुविधाओं के विस्तार और क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय स्वरूप देने के लिए सदैव संकल्पित रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से अत्यंत महत्वपूर्ण व आत्मीय भेंट की। लगभग एक घंटे तक चली इस उच्चस्तरीय बैठक में सांसद श्री अग्रवाल ने राजधानी रायपुर के साथ-साथ पूरे प्रदेश की यातायात प्रणाली को सुगम, सुरक्षित और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने के लिए तीन प्रमुख मांग पत्र सौंपे। विकास पुरुष की छवि रखने वाले सांसद श्री अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष इन तीनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं के तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं को प्रभावी ढंग से रखा। राजधानी में एनएचएआई द्वारा प्रस्तावित तेलीबांधा से जोरा एलिवेटेड रोड को और अधिक उपयोगी बनाने के उद्देश्य से सांसद श्री अग्रवाल ने मांग की कि वीआईपी चौक पर बनने वाले टी-

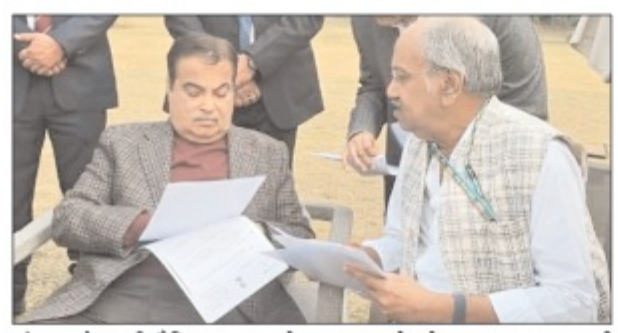

जंक्शन के भारी ट्रैफिक दबाव को समाप्त करने के लिए एलिवेटेड रोड को एयरपोर्ट रोड की दिशा में 300 से 500 मीटर अतिरिक्त फ्लाईओवर के माध्यम से जोड़ा जाए। इस दूरगामी निर्णय से स्वामी विवेकानंद विमानतल आवागमन अत्यंत सुगम होगा तथा एनएच-53 पर यातायात का भार काफी कम होगा। प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र बलौदाबाजार-भाटापारा, जहां एक दर्जन से अधिक बड़े सीमेंट संयंत्र एवं अन्य भारी उद्योग स्थापित हैं, के विकास को गति देने के लिए सांसद श्री अग्रवाल ने रायपुर-बिलासपुर एनएच-130 और रायपुर एनएच-130बी को जोड़ने वाली नई सड़क निर्माण की स्वीकृति का आग्रह किया। 10,000 से अधिक पीसीयू ट्रैफिक भार वाले इस मार्ग के निर्माण से भारी वाहनों एवं माल परिवहन को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी तथा क्षेत्र के आर्थिक विकास को नए पंख लगेंगे। रायपुर से सारंगढ़ एनएच-130 बी के समग्र उन्नयन की दिशा में पहल करते हुए सांसद श्री अग्रवाल ने ध्यानाकर्षण कराया कि वर्तमान में केवल रायपुर से बलौदाबाजार तक की डीपीआर तैयार की जा रही है। उन्होंने क्षेत्र के व्यापक जनहित और वाणिज्यिक जरूरतों को देखते हुए बलौदाबाजार से सारंगढ़ तक के शेष खंड को भी तत्काल इस परियोजना में शामिल कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने तथा स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया।

सीएम योगी का बड़ा ऐलान

6 महीने में 1 लाख युवाओं को मिलेगी सरकारी नौकरी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में सरकारी भर्तियों को लेकर योगी सरकार की पारदर्शिता और युवाओं को रोजगार देने की नीति को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सरकार की बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश किया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 3,446 प्राविधिक सहायकों और 126 मंडी सचिवों को नियुक्ति-पत्र वितरित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में बिना भेदभाव, आरक्षण के नियमों का पालन और मेरिट के आधार पर चयन अपने आप में बड़ी चुनौती है, लेकिन उनकी सरकार ने इसे संभव कर दिखाया है। उन्होंने ऐलान किया कि अगले छह महीने में एक लाख और युवाओं को सरकारी नियुक्ति-पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को हर हफ्ते नियुक्ति पत्र मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले करीब साढ़े 9 वर्षों में प्रदेश में 9.30 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है।

क्रांतिकारी सुखदेव राजगुरु की प्रतिमा का अनावरण, युवाओं को वीर सपूतों के इतिहास से जोड़ने का आह्वान

दुर्ग। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, दुर्ग के तत्वावधान में आदर्श विद्यालय, दुर्ग में महान क्रांतिकारी सुखदेव राजगुरु की प्रतिमा अनावरण एवं जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल रहे। अध्यक्षता भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र नामदेव ने की। विशिष्ट अतिथि महापौर अल्का वाघमर, बी.के. वर्मा, झरना वर्मा, शासकीय प्राथमिक शाला से श्रीमती सरिता चंद्राकर, पार्षद शेखर चंद्रा एवं प्रदेश संयोजक महेश चंद्र शर्मा उपस्थित रहे।इस अवसर पर महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि क्रांतिकारी सुखदेव राजगुरु जैसे महान सपूतों ने राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र व्यक्ति से बड़ा होता है और ऐसे वीर क्रांतिकारियों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।बी.के. वर्मा ने बताया कि सुखदेव राजगुरु के जीवन पर आधारित पुस्तक के प्रथम संस्करण का विमोचन वर्ष 2024 में ग्राम अण्डा में किया गया था। आज पुस्तक के दूसरे संस्करण का विमोचन किया गया, जिसमें उनके परिवार एवं जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाकर शामिल की गई हैं।प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र नामदेव ने कहा कि क्रांतिकारी सुखदेव राजगुरु की प्रतिमा का अनावरण हम सभी के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने उपस्थित लोगों को क्रांतिकारी सुखदेव राजगुरु अमर रहें का संकल्प दिलाया।महापौर अल्का वाघमर ने कहा कि सुखदेव राजगुरु की 91वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा का अनावरण होना खुशी की बात है।

उन्होंने कहा कि यह पुण्यभूमि है, लेकिन दुख की बात है कि आज भी अनेक लोग स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के इतिहास से परिचित नहीं हैं। उन्होंने भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ को बधाई देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी पेंशनर्स अपने अनुभव और ज्ञान से समाज एवं बच्चों को संस्कार देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्कार के बिना शिक्षा का कोई महत्व नहीं है।सांसद विजय बघेल ने कहा कि महान क्रांतिकारी सुखदेव राजगुरु ने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका जीवन त्याग, सेवा और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें महान क्रांतिकारी की प्रतिमा का अनावरण करने का अवसर मिला। सांसद बघेल ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का मंदिर नहीं, बल्कि संस्कार और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का केंद्र भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए युवा पीढ़ी को अपने इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सपूतों के बलिदान से परिचित होना आवश्यक है।उन्होंने विभाजन की पीड़ा को याद करते हुए कहा कि देश के विभाजन के दौरान लाखों लोगों ने अमानवीय परिस्थितियों का सामना किया। आज की युवा पीढ़ी को उस इतिहास और विभाजन की त्रासदी को जानना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश के उस इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम केवल 15 अगस्त या 26 जनवरी को याद करने का विषय नहीं है, बल्कि वर्षभर हमारे वीर सपूतों और संतों के त्याग एवं बलिदान को स्मरण कर उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने क्रांतिकारी सुखदेव राजगुरु के आदर्शों पर चलने तथा उनके बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

शिवनाथ कांवड़ यात्रा में गूंजा हर-हर महादेव, हजारों शिवभक्तों ने 33 किमी की यात्रा पूरी की

दुर्ग। सावन के पवित्र माह में रविवार को दुर्ग की धरती हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से शिवमय हो गई। शिवनाथ कांवड़ यात्रा समिति के नेतृत्व में आयोजित 33 किलोमीटर लंबी भव्य शिवनाथ कांवड़ यात्रा में जिले सहित प्रदेशभर से बड़ी संख्या में शिवभक्त समिति के संरक्षक उपकार चंद्राकर के नेतृत्व में शामिल हुए। भगवा ध्वज और कांवड़ लेकर निकले श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में भक्ति और उत्साह का माहौल बना दिया। धर्मगुरुओं द्वारा भगवा ध्वज दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया गया। इसके बाद कांवड़ियों का कारवां शिवभक्ति के जयघोष के साथ अपने गंतव्य की ओर बढ़ा। यात्रा में युवा, महिलाएं, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के श्रद्धालु सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए। शिवनाथ कांवड़ यात्रा में हर वर्ष यात्रा के प्रति लोगों का उत्साह और जनसहभागिता बढ़ रही है। यात्रा का उद्देश्य केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि सनातन एकता, संस्कृति जागरण और नशामुक्त समाज का संदेश जन-जन तक पहुंचाना भी है। यात्रा के दौरान विधायक ढोमन लाल कोर्सेवाड़ा, सांसद विजय बघेल, बिसराराम यादव, शिरीष अग्रवाल, दिव्या भसीन, महेश वर्मा, संतोष मौर्य, सूरज साहू,लोकेश पांडे,कवरपाल सिंह समीर अग्रवाल, गोपाल राव,वेद प्रकाश पांडे, रोहित चौधरी,आशीष बोरकर, भिलाई चरोदा के पार्षदों ने भी यात्रा का विशेष रूप से स्वागत किया हुआ व जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने कांवड़ियों का स्वागत किया। मार्ग में भक्ति गीतों, जयघोष और भगवा ध्वजों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। बारिश और मौसम की चुनौतियों के बावजूद शिवभक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ और पूरा कांवड़िया निरंतर आगे बढ़ता रहा।

शिवनाथ तट पर हुआ रुद्राभिषेक और भव्य आरती-33 किलोमीटर की यात्रा पूर्ण कर कांवड़िए शिवनाथ नदी के तट पर पहुंचे। यहां भगवान भोलेनाथ का विधिवत रुद्राभिषेक किया गया। इसके पश्चात आयोजित भव्य शिवनाथ आरती में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू, महामंत्री अशोक सिन्हा, भाजपा दुर्ग जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, तुलसी, विजय जायसवाल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा दुर्ग जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा, कन्हैया सोनी, व बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। आरती के दौरान हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से शिवनाथ तट गूंज उठा।

सावन उत्सवः देवांगन समाज की महिलाओं ने गीत-संगीत के साथ लिया झूले का आनंद

राजनांदगांव। देवांगन समाज की तुलसीपुर-ममतानगर इकाई की महिलाओं द्वारा पूनम कालोनी स्थित श्री गणेश मंदिर परिसर में सावन झूला महोत्सव आयोजित किया गया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन के झूले का आनंद लिया। साथ मिलकर सबने सावन के पारंपरिक गीत भी गाए। पूरे आयोजन में सनातन संस्कृति के साथ ही परंपरा की झलक भी देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज की आराध्य कुलदेवी माता परमेश्वरी की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। पूजा के पश्चात सर्वप्रथम माता परमेश्वरी को झूला झुलाया गया। इसके बाद समाज की महिलाओं ने बारी-बारी से झूला झूलकर सावन उत्सव की शुरुआत की। कार्यक्रम में समाज की बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधान एवं आभूषण धारण कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेल एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खेलों के साथ गीत-संगीत, हंसी-मजाक और उत्साह से पूरा वातावरण आनंदमय हो गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष कामेश्वरी देवांगन, सचिव हीरा देवांगन, कोषाध्यक्ष प्रीति देवांगन, उपाध्यक्ष दीपा देवांगन, अंजू, चित्रलेखा, मंजू, पार्वती, लीला और रीना देवांगन व अन्य ने सहभागिता निभाई।

सामाजिक एकता का संदेश दिया

माता परमेश्वरी की पूजा एवं झूला झुलाने से शुरू हुआ यह सावन उत्सव गीत-संगीत, खेलकूद और हंसी-खुशी के साथ यादगार बन गया। महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को सफल एवं आकर्षक बना दिया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं ने अपनी परंपरा, संस्कृति और लोकाचार को जीवंत रखते हुए आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का सुंदर संदेश दिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज की महिलाओं को एक-दूसरे से जुड़ने और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है।

10 सूत्री मांगों को लेकर कांग्रेस का धरना प्रदर्शन, 10 सितंबर को चक्काजाम की चेतावनी

आय व्यय, अवैध कब्जा, अवैध प्लाटिंग और मूलभूत सुविधाओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमलेश्वर। दुर्ग जिला अंतर्गत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के मुख्य गेट के सामने कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पालिका से जुड़ी अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व पालिका उपाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, नेता प्रतिपक्ष दीपक धिघोड़े, अमलेश्वर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष महेंद्र साहू, छाया नगर पालिका अध्यक्ष मोनू साहू एवं छाया नगर पालिका अध्यक्ष हिमांशु शर्मा के संयुक्त नेतृत्व में किया गया। धरना प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने नगर पालिका की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। इस दौरान पालिका सीएमओ प्रीति गुप्ता के खिलाफ भी नारेबाजी की गई। धरना स्थल पर नायब तहसीलदार पाटन भूपेंद्र सिंह एवं नगर पालिका सीएमओ प्रीति गुप्ता पहुंचे, जहां प्रदर्शनकारियों ने अपनी आय व्यय, अवैध कब्जा, अवैध प्लाटिंग सहित मूल भूत सुविधाओं को लेकर 10 सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांगों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 10 सूत्री मांगों का समय पर निराकरण नहीं किया गया तो 10 सितंबर 2026 को उग्र आंदोलन करते हुए चक्काजाम किया जाएगा। एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में प्रमुख रूप से पूर्व जिला पंचायत सभापति एवं छाया पालिका अध्यक्ष मोरध्वज मोनू साहू, छाया पालिका अध्यक्ष हिमांशु शर्मा, पार्षद भोज सोनकर, पार्षद ढोमन यादव, पार्षद घनश्याम साहू, पार्षद प्रतिनिधि गिरधर साहू, पार्षद मालती साहू, पार्षद मीना रानी चेलक, पार्षद लेखनी साहू, पार्षद सेवती निषाद, वरिष्ठ कांग्रेसी धर्मेंद्र साहू, ओमकार धिघोड़े, युवा कांग्रेस महासचिव अमृत सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र की समस्याओं एवं नागरिकों से जुड़ी मांगों का शीघ्र निराकरण किया जाना आवश्यक है। मांगों का समाधान नहीं होने की स्थिति में आगामी दिनों में आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी गई।

तहसील साहू संघ पाटन में पत्रकार करन साहू को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी

अमलेश्वर। तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए विभिन्न प्रकोष्ठों में संयोजकों एवं पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। इसी क्रम में तेलीगुंडरा परिक्षेत्र से पत्रकार करन साहू को तहसील साहू संघ पाटन में मीडिया प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।साथ में झीट परिक्षेत्र से उम्रा निवासी हितेश साहू और तेलीगुंडरा परिक्षेत्र से मटंग निवासी मनोज कुमार साहू को सह मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। करन साहू लंबे समय से साहू समाज से जुड़कर सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते आ रहे हैं। उन्होंने तत्कालीन तहसील अध्यक्ष अश्वनी साहू के प्रथम कार्यकाल में स्थानीय साहू समाज कौही के उपाध्यक्ष के रूप में समाज सेवा की शुरुआत की। इसके बाद तत्कालीन तहसील अध्यक्ष दिनेश कुमार साहू के कार्यकाल में संयुक्त सचिव के रूप में तहसील स्तर पर सामाजिक गतिविधियों में अपनी जिम्मेदारी निभाई। समाज सेवा के साथ संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए करन साहू ने प्रदेश साहू समाज के आईटी सेल प्रकोष्ठ, दुर्ग संभाग में संगठन सचिव के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली। वर्तमान में उन्हें प्रदेश साहू समाज आईटी सेल प्रकोष्ठ में दुर्ग संभाग संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। इसी क्रम में अब तहसील साहू संघ पाटन द्वारा उन्हें मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। मीडिया के क्षेत्र में सक्रिय करन साहू के अनुभव और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहने को देखते हुए यह जिम्मेदारी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उनके माध्यम से तहसील साहू संघ की सामाजिक गतिविधियों, आयोजनों एवं समाजहित से जुड़े कार्यों को मीडिया और डिजिटल माध्यमों के जरिए व्यापक स्तर पर पहुंचाने में सहयोग मिलेगा।

रिमझिम सावन मेला 2026 का भव्य समापन नारी जागरूकता की गूंज से सजा सावन मेला

- फैशन शो, चमच दौड़ और कुर्सी दौड़ के विजेताओं का हुआ सम्मान,ओम योग नृत्य व सावन थीम ने मोहा मन

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आयोजित दो दिवसीय रिमझिम सावन मेला 2026 का भव्य समापन शनिवार को हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर अलका बाघमार ने की। महापौर ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि रिमझिम सावन मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि दुर्ग की आत्मा, परंपरा और लोकसंस्कृति का जीवंत प्रमाण है। सावन माह में आयोजित यह उत्सव समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर जोड़ने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से हमारी समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलती है। उन्होंने सावन माह के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर ने कहा कि रिमझिम सावन मेला हर वर्ष दुर्गवासियों के लिए नई उमंग और उत्साह लेकर आता है। यह आयोजन मनोरंजन के साथ-साथ लोक संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का सुंदर संगम बन गया है। उन्होंने कहा कि इस मेले ने दुर्ग शहर की सांस्कृतिक पहचान को एक नई दिशा और नए आयाम दिए हैं,सावन माह के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि सावन उत्सव हमारी धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूत करता है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा रिमझिम सावन मेला के माध्यम से महिलाओं और नागरिकों को अपनी प्रतिभा, कला और संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्रदान किया गया।

विधायक ने किया भूमिपूजन, शिवपारा स्टेशन मरोदा में सौ लाख से होगा विकास कार्य

रिसाली। रिसाली निगम क्षेत्र के श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र शिवपारा, बीआरपी कॉलोनी, एचएससीएल कॉलोनी मरोदा क्षेत्र में एक करोड़ बहत्तर लाख छियानबे हजार से विकास कार्य होगा। रविवार को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नारियल तोड़कर कार्य को आरंभ कराया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि विकास के लिए सरकार के पास पर्याप्त राशि है। सुविधाओं के लिए खर्च करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर भूमिपूजन करने सबसे पहले वार्ड 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा पहुंचे। इसके बाद क्रमश वार्ड 18 एचएससीएल स्टेशन मरोदा व बीआरपी कॉलोनी पहुंचे। विधायक ने नागरिकों से कहा कि निगम क्षेत्र के अंतिम छोर पुरैना से भूमिपूजन करते आ रहे है। क्षेत्रीय पार्षद के प्रयास और नागरिकों के प्राथमिकता को देखते हुए विभिन्न विकास कार्य को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से कहा कि बहुत सारे विकास कार्यों की मंजूरी प्रक्रियाधीन है। स्वीकृति पश्चात वें पुनः वार्डों में दौरा करेंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद गजेन्द्री कोठारी, रेखा देवी, ममता सिन्हा, धर्मेन्द्र भगत, सारिका साहू, मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, अनुपम साहू समेत बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

इन वार्डों में होगा विकास कार्य- रिसाली निगम क्षेत्र के वार्डे क्र. 16 बीआरपी कॉलोनी में 25 लाख 55 हजार से नाली निर्माण, सड़क, सौंदर्यीकरण कराने का कार्य किया जाएगा। इसी तरह वार्ड 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा में एक करोड़ दो लाख पांच हजार से नाली, पुलिया निर्माण, सड़क संधारण, सामुदायिक भवन, वार्ड 18 एचएससीएल शिवपारा में 45 लाख 36 हजार से विकास कार्य होंगे।

पाटन परिक्षेत्र के प्रतिभावान विद्यार्थियों का भी सम्मान

छत्तीसगढ़ लोधी समाज राज्य स्तरीय प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह में 205 प्रतिभावान बच्चों का सम्मान

अमलेश्वर। जय अवंती लोधी क्षत्रिय समाज द्वारा लगातार पांचवें वर्ष छत्तीसगढ़ स्तरीय प्रतिभा प्रोत्साहन समारोह का आयोजन 23 अगस्त को रायपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि यशोदा नीलाम्बर वर्मा ने लोधेश्वर महादेव एवं वीरांगना अवंती बाई लोधी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में कक्षा 12वीं, कक्षा 10वीं तथा लोधी विद्या मंदिर में नर्सरी से कक्षा 10वीं तक अध्ययनरत कुल 205 प्रतिभावान बच्चों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। बच्चों को प्रतीक चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं बैग देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोधी समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमलेश्वर वर्मा ने की। विशेष अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ लोधी समाज के महामंत्री घनश्याम कौशिक उपस्थित रहे। जय अवंती लोधी क्षत्रिय समाज स्टेशन रोड लोधीपारा इकाई से गिरवर चंदेल, अमर जंघेल (भूतपूर्व महामंत्री, छत्तीसगढ़ लोधी समाज), तेजसिंह जंघेल (अध्यक्ष, जय अवंती लोधी क्षत्रिय समाज), चंपा जंघेल, संतलाल जंघेल, जगदीश जंघेल, तरुण जंघेल, उमाशंकर जंघेल, दायशंकर जंघेल, कमल जंघेल, भावेश जंघेल, करण जंघेल, राकेश जंघेल एवं युवराज जंघेल सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। समारोह में राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई, मुंगेली, नंदनी-अहिवारा, डोंगरगढ़, आरंग, नवागढ़, खैरागढ़ एवं पाटन क्षेत्र से सामाजिक बंधुओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन जगत जंघेल ने किया।

पाटन परिक्षेत्र के सामाजिक बंधुओं की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में पाटन परिक्षेत्र से कमलेश सिंगौर, धर्मेंद्र कौशिक, द्वारिका सिंगौर, शिवकुमार सिंगौर, टीकम सिंगौर, सुरेंद्र सिंगौर, वीरेंद्र सिंगौर, अश्विनी सिंगौर एवं चंद्रशेखर सिंगौर उपस्थित रहे। पाटन परिक्षेत्र के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान- कक्षा 12वीं:- कु. मोनिका, पिता हेमंत कौशिक – 93 प्रतिशत, - कु. प्रेरणा, पिता पुष्पराज कौशिक – 86 प्रतिशत - षष्ठाधीश, पिता धर्मेंद्र कौशिक – 76 प्रतिशत - दीपेश, पिता संतोष सिंगौर – 75 प्रतिशत, - कु. ज्योति, पिता कृष्णा सिंगौर – 78 प्रतिशत - कु. रागिनी, पिता लक्ष्मी – 76 प्रतिशत - कु. खुशबू, पिता मनोज – 76.8 प्रतिशत - कु. राजेश्वरी, पिता नरोत्तम – 75.8 प्रतिशत - कु. पायल, पिता अश्विनी – 84 प्रतिशत - कु. नीलिमा, पिता पवन – 80 प्रतिशत - कु. कामिनी, पिता नंदकुमार – 82 प्रतिशत, कक्षा 10वीं: - कु. दिव्या, पिता डोमन – 87 प्रतिशत - कु. मोमिन, पिता राजेश – 90 प्रतिशत - कु. आरती, पिता मुरारी कौशिक – 83 प्रतिशत, इन सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों को समारोह में प्रतीक चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन का उद्देश्य समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा।

जामुल थाना परिसर में हुआ वृहद वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का दिया संदेश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देने और शहर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं पौधरोपण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम के जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत जामुल थाना परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य परिसर को हराभरा बनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना रहा। पौधों के बढ़ने के साथ परिसर में हरियाली बढ़ेगी, जिससे वातावरण भी स्वच्छ एवं अनुकूल रहेगा। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने पौधों के संरक्षण और उनकी नियमित देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण एवं पर्यावरणीय असंतुलन को देखते हुए अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाना आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

साइबर ठगी का शिकार होते ही तुरंत डायल करें 1930, छत्तीसगढ़ पुलिस ने किया जागरूक

रायपुर। डिजिटल दौर में बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के लिए सतर्कता और समय पर कार्रवाई बेहद जरूरी है। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत नागरिकों को साइबर फ्रॉड से बचने और ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने की अपील की जा रही है। पुलिस के अनुसार, साइबर ठगी या किसी भी प्रकार की ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार होने पर पीड़ित को बिना समय गंवाए 1930 पर कॉल करना चाहिए। समय पर शिकायत दर्ज कराने से ठगी की रकम को रोकने या उसकी आगे की निकासी पर कार्रवाई की संभावना बढ़ जाती है। साइबर अपराधी फर्जी लिंक, सोशल मीडिया अकाउंट और ऑनलाइन लेनदेन के जरिए लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। इनमें फिशिंग, बैंक खाते या क्रेडिट-डेबिट कार्ड से जुड़ी वित्तीय धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, व्हाट्सएप-इंस्टाग्राम-फेसबुक के जरिए ठगी और ब्लैकमेलिंग जैसे अपराध शामिल हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक न करें और बैंकिंग या व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। सोशल मीडिया पर संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर भी सतर्क रहें।

रायपुर में ड्रंक एंड ड्राइव पर सख्ती, एक रात में 62 वाहन चालकों पर कार्रवाई

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 21 अगस्त की रात शहर के 09 प्रमुख चौक-चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाकर 62 वाहन चालकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात राम कुमार बर्मन के नेतृत्व और सहायक पुलिस आयुक्त यातायात की मौजूदगी में निरीक्षक स्तर के अधिकारियों एवं यातायात जवानों की टीमों ने विभिन्न स्थानों पर वाहनों की जांच की। आधुनिक ब्रीथ एनालाइजर से जांच के दौरान नशे की हालत में वाहन चलाते पाए गए चालकों में 47 कार, 05 टाटा एस पिकअप, 08 ट्रक/टैंकर, 01 बस और 01 दोपहिया वाहन शामिल हैं। सभी वाहन चालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत तत्काल वैधानिक कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक 3906 ड्रंक एंड ड्राइव प्रकरणों में कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस का कहना है

साइबर ठगी होते ही तुरंत 1930 पर करें कॉल, छत्तीसगढ़ पुलिस ने किया जागरूक

रायपुर। डिजिटल दुनिया में बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा नागरिकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। साइबर जागृति अभियान के तहत लोगों को साइबर फ्रॉड से सतर्क रहने और ठगी का शिकार होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की जा रही है। पुलिस के अनुसार साइबर ठगी होने पर समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। पीड़ित को घबराने के बजाय बिना देर किए 1930 पर कॉल करना चाहिए। साथ ही संबंधित बैंक या वित्तीय संस्था को भी तत्काल सूचना देनी चाहिए, ताकि ठगी की रकम को रोकने और आगे की कार्रवाई की संभावना बढ़ सके। साइबर अपराधी फर्जी लिंक, फोन कॉल, मैसेज और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। फर्जी या ठगी वाले लिंक के जरिए होने वाली फिशिंग, बैंक खाते और क्रेडिट-डेबिट कार्ड से जुड़ी वित्तीय धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और फेसबुक के जरिए ठगी या ब्लैकमेलिंग जैसे मामलों से सावधान रहने की जरूरत है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, यूपीआईपीन, सीव्हीव्ही, पासवर्ड या बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें। अनजान लिंक पर क्लिक करने और संदिग्ध ऐप या फाइल डाउनलोड करने से भी बचें। छत्तीसगढ़ पुलिस ने नागरिकों से साइबर जागृति अभियान का हिस्सा बनने की अपील की है।

छत्तीसगढ़ के जलाशयों में 86.79 फीसदी जलभराव, पिछले साल से बेहतर स्थिति

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश के चलते जलाशयों में जलभराव की स्थिति इस वर्ष बेहतर बनी हुई है। जल संसाधन विभाग की 22 अगस्त की दैनिक टैंक गेज रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के महत्वपूर्ण जलाशयों में कुल 6360.23 एमसीएम की क्षमता के मुकाबले 5519.94 एमसीएम पानी उपलब्ध है। यह कुल लाइव क्षमता का 86.79 प्रतिशत है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त 2025 को इन्हीं जलाशयों में जलभराव 78.81 प्रतिशत और 2024 में 82.76 प्रतिशत था। यानी वर्तमान वर्ष में जलाशयों में पिछले वर्ष की तुलना में करीब 7.98 प्रतिशत अधिक जलभराव दर्ज किया गया है। प्रदेश के 12 प्रमुख जलाशयों की कुल लाइव क्षमता 5355.709 एमसीएम है।

श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिल रही उत्कृष्ट शिक्षा

उनके सपनों को पंख देना हमारी प्राथमिकता-मुख्यमंत्री साय

■ श्रमिक परिवारों के बच्चे आगे बढ़ेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का सपना होगा पूरा

रायपुर/ संवाददाता

श्रमिक हमारे विकास की मजबूत नींव हैं। अपने परिश्रम से वे सड़कें, भवन, पुल और विकास की अनेक संरचनाएं खड़ी करते हैं। ऐसे श्रमिक परिवारों के बच्चों को अच्छी शिक्षा और जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। श्रमिक परिवारों के बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ेंगे, अपने सपनों को पूरा करेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का संकल्प भी साकार होगा।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने योजना के अंतर्गत अध्ययनरत बच्चों से आत्मीय संवाद किया और शिक्षा, खेल, कला तथा सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के अंतर्गत 1 लाख 45 हजार 841 श्रमिकों को 39 करोड़ 67 लाख रुपये से अधिक की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों को आज व्यवस्थित यूनिफॉर्म में, आत्मविश्वास के साथ अंग्रेजी में संवाद करते और शिक्षा के साथ खेल तथा अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इन बच्चों का आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि उचित अवसर और अच्छी शिक्षा मिले तो कोई भी परिस्थिति प्रतिभा को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना की शुरुआत पिछले वर्ष 100 बच्चों के

साथ की गई थी। इस वर्ष इसका विस्तार करते हुए 200 बच्चों को योजना के अंतर्गत प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में शिक्षा का अवसर दिया गया है। प्रदेश के सभी 33 जिलों से चयनित प्रतिभावान बच्चे राजकुमार कॉलेज, दिल्ली पब्लिक स्कूल और रुंगटा पब्लिक स्कूल जैसे प्रतिष्ठित विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन विद्यालयों में अपने बच्चों को पढ़ाना कभी श्रमिक परिवारों के लिए कठिन सपना हुआ करता था, आज राज्य सरकार उस सपने को साकार कर रही है। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना केवल बच्चों को अच्छे विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की योजना नहीं है, बल्कि उन्हें बेहतर वातावरण, आत्मविश्वास और अपने सपनों को पूरा करने के लिए समान अवसर देने की पहल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश और देश के निर्माण में श्रमिकों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि शहरों की ऊंची इमारतों से लेकर गांवों की सड़कों तक और बड़े पुलों से लेकर विकास की अनेक अधोसंरचनाओं के पीछे श्रमिकों का परिश्रम है। सरकार का दायित्व है कि राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग के तीन मंडलों के माध्यम से श्रमिकों के कल्याण के लिए 67 प्रकार की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, मातृत्व सहायता, दिव्यांग सहायता, पेंशन, कौशल उन्नयन, रोजगार और आवास सहित जीवन के विभिन्न चरणों में सहायता देने वाली योजनाएं शामिल हैं। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि इन योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पात्र श्रमिकों तक पहुंचे और सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा हो। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक हितों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के साथ उनके परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

सौर ऊर्जा ने बदली दिवाकर लोधी के घर की तस्वीर.....

■ प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से आर्थिक बचत के साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जिले में लोगों को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा की ओर प्रेरित करने के साथ ही उनके घरेलू बिजली खर्च को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना से लाभान्वित खैरागढ़ जिले के ग्राम खैरनावापारा, कनक नगर, छुईखदान निवासी श्री दिवाकर लोधी ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर सौर ऊर्जा को अपनाया है। सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित होने से पहले श्री दिवाकर लोधी के घर का बिजली बिल लगभग 1,200 रूपए प्रतिमाह आता था। सोलर सिस्टम लगने के बाद उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है और वर्तमान में उनका बिजली बिल शून्य हो गया है। इससे उन्हें हर महीने घरेलू बजट में सीधी बचत हो रही है। श्री लोधी के सोलर सिस्टम से अब तक 203 यूनिट बिजली का उत्पादन हो चुका है। इसके एवज में उन्हें 510 रूपए का सोलर रिबेट भी प्राप्त हुआ है। इस प्रकार योजना ने उनके लिए बिजली की बचत के साथ अतिरिक्त आर्थिक लाभ का रास्ता भी खोला है। सौर ऊर्जा अपनाने से श्री लोधी को आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का अवसर भी मिला है। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा का बेहतर माध्यम है। घर की छत पर सोलर प्लांट लगाकर वे अपनी बिजली की जरूरतों को पूरा करने के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी योगदान दे रहे हैं। श्री दिवाकर लोधी अब अपने आसपास के लोगों को भी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। वे लोगों से अपने घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराने की अपील करते हुए बताते हैं ।

नाबालिग का बलात्कार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। घटना का संक्षिप्त विवरण श्रीमान पुलिस अधीक्षक कांकेर श्री निखिल अशोक कुमार राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री योगेश साहू (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर श्री हरीश पाटिल (रा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में थाना चारामा पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 135/2026, धारा 137(2), 87, 64(2)(ड), 64(1), 65(1) बीएनएस एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के प्रकरण में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। दिनांक 25.06.2026 को प्रार्थिया द्वारा थाना चारामा उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 24.06.2026 को सुबह करीब 10:00 बजे उसकी नाबालिग पुत्री घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकली थी।

आर्थिक सशक्तिकरण के साथ बनीं आधुनिक कृषि की नई पहचान

नमो ड्रोन दीदी योजना से चित्ररेखा साहू के सपनों को मिली नई उड़ान

रायपुर/ संवाददाता

नमो ड्रोन दीदी योजना ने बालोद जिले की चित्ररेखा साहू के जीवन में बदलाव की नई कहानी लिखी है। कभी घर-परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली चित्ररेखा आज आधुनिक कृषि तकनीक की जानकार बनकर किसानों के खेतों में ड्रोन से नैनो उर्वरकों के छिड़काव का कार्य कर रही हैं। आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ उन्हें एक नई सामाजिक पहचान भी मिली है। आज लोग उन्हें सम्मानपूर्वक 'ड्रोन दीदी' के नाम से जानते हैं। चित्ररेखा साहू बताती हैं कि ड्रोन दीदी बनना उनके लिए केवल रोजगार का अवसर नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत है। आधुनिक कृषि यंत्र ड्रोन के माध्यम से किसानों के खेतों में नैनो उर्वरकों का छिड़काव कर वे कृषि क्षेत्र में तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभा रही हैं। उनके लिए यह अनुभव गर्व का विषय है कि अब वे किसानों की मदद करने के साथ-साथ स्वयं भी आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। ड्रोन दीदी के रूप में काम शुरू करने के बाद चित्ररेखा की आय में सुधार हुआ। आर्थिक स्थिति बेहतर होने के बाद उन्होंने सबसे पहले अपने लिए स्कूटी खरीदी, जिससे उनकी आवाजाही आसान हुई और काम के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा। इसके बाद उन्होंने अपने घर का निर्माण कार्य पूरा कराया। अब वे अपनी बेटी को बेहतर शिक्षा दिलाने और उसके उज्ज्वल भविष्य को संवारने के लिए भी आर्थिक रूप से सक्षम हैं। चित्ररेखा साहू कहती हैं कि ड्रोन दीदी बनने के बाद उन्हें सबसे बड़ी उपलब्धि अपनी नई पहचान के रूप में मिली है। अब गांव और आसपास के क्षेत्र में लोग उन्हें उनके नाम के साथ-साथ 'ड्रोन दीदी' के रूप में भी पहचानते हैं।

28 अगस्त तक छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना,इन इलाकों में बरसेंगे बादल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने 22 से 28 अगस्त तक प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, 22 से 25 अगस्त के बीच बारिश के साथ गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। वहीं 26 से 28 अगस्त तक भी कई इलाकों में भारी बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। इस दौरान मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ में बारिश का असर ज्यादा देखने को मिल सकता है। लोगों को मौसम के अनुसार सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। अगले सप्ताह बारिश का प्रभाव खासतौर पर मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ में देखने को मिल सकता है। कुछ स्थानों पर भारी से अतिभारी बारिश की स्थिति बन सकती है। ऐसे में निचले इलाकों में जलभराव और नदी-नालों के जलस्तर बढ़ने की स्थिति पर नजर रखने की जरूरत होगी। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान मौसम प्रणाली भी बारिश के लिए अनुकूल बनी हुई है। 21 अगस्त के मौसम विभाग के बुलेटिन में उत्तर-पूर्वी मध्यप्रदेश और आसपास के क्षेत्र में निम्न दबाव क्षेत्र बने रहने की जानकारी दी गई है। राजधानी रायपुर में भी अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। 22 अगस्त को शहर में एक-दो बार बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इसके बाद भी अगले सप्ताह बारिश का दौर जारी रहने के आसार हैं। पिछले 24 घंटे में रायपुर में बारिश अपेक्षाकृत कम रही और करीब 5.2 मिमी पानी दर्ज किया गया। वहीं नवा रायपुर समेत कुछ इलाकों में तेज बारिश हुई। मानसून सीजन में छत्तीसगढ़ में अब तक 774.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य बारिश से करीब 7 फीसदी कम है। इस अवधि तक प्रदेश में 829.9 मिमी बारिश होनी चाहिए थी। वहीं रायपुर जिले में स्थिति प्रदेश के औसत से अलग है। जिले में अब तक 808.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से करीब 10 फीसदी अधिक है। प्रदेश में बारिश का वितरण समान नहीं रहा है। आंकड़ों के मुताबिक 6 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है, जबकि 27 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है। आने वाले दिनों में होने वाली बारिश से यह अंतर और बदल सकता है। मानसून सीजन आधिकारिक रूप से 30 सितंबर तक रहता है। इसके बाद भी कई बार मानसून की वापसी अक्टूबर तक होती है।

रायपुर में मारपीट और चोरी के कई मामले दर्ज, ई-रिक्शा चोरी समेत छह घटनाओं में एफआईआर

रायपुर। राजधानी रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 21 अगस्त को मारपीट, धमकी, वाहन तोड़फोड़ और चोरी के कई मामले दर्ज किए गए। पुलिस के अपराध विवरण के अनुसार टिकरापारा, राजेंद्र नगर, पुरानी बस्ती, सिविल लाइन और खम्हारडीह थाना क्षेत्रों में अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। टिकरापारा थाना क्षेत्र के दुर्गापारा बंगाली मोहल्ला, संतोषी नगर में आरोपी अजीत पांडेय और उसके ससुर पर घर में घुसकर गाली-गलौज करने, जान से मारने की धमकी देने तथा हाथ-मुक्के और डंडे से मारपीट करने का आरोप है। पुलिस ने पीड़ित रोशन साहू की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। इसी थाना क्षेत्र में गोकुल नगर शराब दुकान के सामने डायमंड राम साहू के साथ भी मारपीट की घटना सामने आई। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने बिना कारण गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट कर चोट पहुंचाई। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के महावीर नगर में बाइक धोने को लेकर विवाद हो गया। शिकायत के मुताबिक करण ठाकुर ने अपनी मोटरसाइकिल धोने के लिए दी थी। इसी बात को लेकर आरोपी ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और लकड़ी के बत्ता से हमला कर चोट पहुंचाई।

बिहान ने बदली संगीता की तकदीर: हुनर बना रोजगार, आज हैं लखपति दीदी

■ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की महिला सशक्तिकरण पहल से मिली नई पहचान

■ ब्यूटी पार्लर से हर महीने 10 हजार रुपये की आय

रायपुर/ संवाददाता

कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के ग्राम बैहरसरी की संगीता डहरिया आज ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की सशक्त पहचान बन गई हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित बिहान (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) से जुड़ने के बाद उन्होंने अपने हुनर को स्वरोजगार में बदला और आज 'लखपति दीदी' के रूप में न केवल अपने परिवार की आर्थिक रीढ़ बनी हैं, बल्कि गांव की अनेक महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी बन चुकी हैं। संगीता आज अपने गांव में सफलतापूर्वक ब्यूटी पार्लर संचालित कर रही हैं और इससे प्रतिमाह लगभग 10 हजार रुपये की नियमित आय अर्जित कर रही हैं। बिहान के माध्यम से उन्हें ऋण सुविधा उपलब्ध हुई, जिसने उनके छोटे व्यवसाय को नई गति दी। बढ़ती आय से वे परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ अपने बच्चों की शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए भी आर्थिक सहयोग कर रही हैं। उनकी बेटी कक्षा 11वीं और बेटा कक्षा 6वीं में अध्ययनरत है। संगीता कहती हैं कि कभी उन्होंने नहीं सोचा था कि उनका हुनर एक दिन पूरे परिवार की आर्थिक ताकत बन जाएगा। वे भावुक होकर कहती हैं, आज मैं लखपति दीदी बन चुकी हूं। इसके पीछे हमारे विष्णु भइया का सहयोग और सरकार की योजनाओं का बड़ा योगदान है। उन्होंने हम जैसी लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। उनका कहना है कि पहले उनका अधिकांश समय केवल घरेलू कार्यों में बीतता था, लेकिन बिहान से जुड़ने के बाद उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और आत्मविश्वास मिला। यही अवसर उनके जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। आज वे सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं और अपने पैरों पर मजबूती से खड़ी हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित "बिहान" जैसी योजनाएं प्रदेश में बदलाव की नई इबारत लिख रही हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आजीविका, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं, जिससे हजारों महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

तरींघाट हाई स्कूल पहुंचे शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

विद्यार्थियों से किया संवाद.....गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सर्वांगीण विकास पर दिया जोर

रायपुर/ संवाददाता

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड अंतर्गत ग्राम तरींघाट स्थित शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर का जायजा लिया तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से संवाद कर स्कूल में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पाठ्यक्रम की प्रगति एवं विद्यालय की आवश्यकताओं की जानकारी ली। शिक्षा मंत्री श्री यादव ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचि, पसंदीदा विषय, पढ़ाई में आने वाली कठिनाइयों तथा भविष्य के लक्ष्यों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासन का पालन करने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मजबूत एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि नियमित अध्ययन, अनुशासन और निरंतर मेहनत के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी अपने सपनों को साकार कर सकता है। विद्यालय निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री श्री यादव ने शिक्षकों को बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, पाठ्यक्रम को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर निरंतर निगरानी रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी भी बढ़ाई जाए, ताकि बच्चों का सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित हो सके। विद्यालय भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव से खुलकर संवाद किया और विद्यालय से जुड़ी अपनी आवश्यकताओं एवं समस्याओं से अवगत कराया। विद्यार्थियों ने प्रार्थना स्थल पर डोमशेड निर्माण तथा विज्ञान कक्षा के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की मांग रखी। शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों की मांगों को गंभीरता से सुना तथा उनकी आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

संपादकीय

झारखंड में जेएसएससी, सीजीएल समेत कई परीक्षाएं रद्द, खतरे में 1975 नौकरियां

सवाल है कि जितने लोगों की नौकरियां जाने की आशंका है, क्या सरकार उन सभी को अनियमितता का जिम्मेदार या उसमें सहभागी और उसका लाभ लेकर नौकरी हासिल करने वाला मान रही है? परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला सरकार के सकारात्मक और लोकतांत्रिक रुख का संकेत है, लेकिन समूची व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ठोस नीति और निर्णयों को जमीन पर उतारने की जरूरत पड़ती है। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता के आरोपों के बीच अभ्यर्थियों ने जो विरोध प्रदर्शन शुरू किया था, वह इस संबंध में राज्य सरकार के फैसले के बाद एक तरह से अपने निष्कर्ष पर पहुंच गया लगता है। सरकार ने टीडीपीएल के संचालन में हुई झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तर (जेएसएससी-सीजीएल) परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया। यह प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों की एक प्रमुख मांग थी।इसके अलावा, झारखंड लोकसेवा आयोग-14 की परीक्षा रद्द होगी और जेपीएससी ग्यारह से तेरह की भी जांच की जाएगी। साथ ही सरकार ने परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी कंपनी टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं और उसकी ओर से जारी नतीजों को भी रद्द करने का फैसला किया। इस संदर्भ में झारखंड के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में काम कर रही कई कंपनियां एक बड़े परीक्षा गिरोह में संलिप्त हो गई लगती हैं।सवाल है कि अगर राज्य सरकार को इस बारे में पहले से भनक थी, तो उसने उस कथित गिरोह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए जरूरी कदम क्यों नहीं उठाया। फिर सारी स्थितियां स्पष्ट होने के बावजूद विद्यार्थियों का आंदोलन तीन हफ्ते से भी ज्यादा समय तक क्यों खिंचता रहा? सरकार यह कह सकती है कि वह विद्यार्थियों के आंदोलन को लेकर चिंतित थी और उसने समस्याओं से निपटने के लिए झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम और निवारण) अधिनियम लागू कर दिया है।मगर परीक्षाओं में अनियमितता पर काबू पाने के लिए सारी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद थीं, तो इतने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने क्यों आईं और विद्यार्थियों को आंदोलन का रास्ता क्यों अख्तियार करना पड़ा? हालांकि परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला सरकार के सकारात्मक और लोकतांत्रिक रुख का संकेत है, लेकिन समूची व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ठोस नीति और निर्णयों को जमीन पर उतारने की जरूरत पड़ती है।बहरहाल, झारखंड सरकार के सामने एक नई चुनौती यह सामने आ सकती है कि विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन के बाद जिस तरह टीडीपीएल के माध्यम से हुए अभ्यर्थियों के चयन को भी रद्द करने का फैसला लिया गया है, अब उससे संबंधित नई जटिलता सामने खड़ी होगी। गौरतलब है कि सरकार का फैसला अमल में आया, तो उसके बाद इन परीक्षाओं के जरिए चयनित 1975 लोगों की नौकरियां खत्म हो जाएंगी और 2014 के बाद से हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं की जांच होगी।सवाल है कि जितने लोगों की नौकरियां जाने की आशंका है, क्या सरकार उन सभी को अनियमितता का जिम्मेदार या उसमें सहभागी और उसका लाभ लेकर नौकरी हासिल करने वाला मान रही है? अब आगे इस दायरे में आए लोगों की ओर से अगर सरकार के फैसले का विरोध सामने आता है, तब उसे कैसे देखा जाएगा? यह अकेले झारखंड की समस्या नहीं है।

विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शुमार और उन्नत स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाओं के ढांचे पर खड़े इस देश के पांव बुढ़ापे के कारण लड़खड़ा रहे हैं। जन्म दर लगातार घटने की वजह से कामकाजी युवा आबादी कम हो रही है, परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की कमी का संकट पैदा होने लगा है। इस समस्या से निपटने के लिए जापानी सरकार 'ऑटोमेशन' और 'रोबोटिक्स' तकनीक को तेजी से विकसित कर रही है। मगर सामाजिक कल्याण एवं चिकित्सा खर्चों के बढ़ते बोझ और सिमटती आय की वजह से जापान पर कर्ज का भार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, तकरीबन 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में इस समय विश्व की सबसे ज्यादा युवा आबादी है, जो कुल जनसंख्या का लगभग पैंसठ फीसद है।

विकसित होने से पहले ही 'बूढ़ा' हो जाएगा भारत? गिरती जन्मदर और बढ़ती बुजुर्ग आबादी

(अनीता सहरावत)

बच्चे और बूढ़े अर्थव्यवस्था पर निर्भर एक ऐसी आबादी है, जिसका बोझ उठाना सरकार और परिवार दोनों की मजबूरी है। केंद्र सरकार बजट का लगभग अठारह फीसद हिस्सा स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण पर खर्च करती है। इसमें से बुजुर्गों से जुड़ी योजनाओं के हिस्से केवल 0.15-0.20 फीसद रकम ही आती है।

जापान विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। करीब सवा बारह करोड़ की आबादी वाला यह देश तेजी से बूढ़ा हो रहा है और वर्तमान में यह दुनिया का सबसे बूढ़ा देश है। यहां जन्म दर लगातार गिर रही है और बूढ़ी आबादी तेजी से बढ़ रही है। आज जापान की लगभग तीस फीसद आबादी पैंसठ वर्ष से ज्यादा उम्र की है, यानी हर दस में से एक जापानी बूढ़ा है।

विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शुमार और उन्नत स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाओं के ढांचे पर खड़े इस देश के पांव बुढ़ापे के कारण लड़खड़ा रहे हैं। जन्म दर लगातार घटने की वजह से कामकाजी युवा आबादी कम हो रही है, परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की कमी का संकट पैदा होने लगा है। इस समस्या से निपटने के लिए जापानी सरकार 'ऑटोमेशन' और 'रोबोटिक्स' तकनीक को तेजी से विकसित कर रही है। मगर सामाजिक कल्याण एवं चिकित्सा खर्चों के बढ़ते बोझ और सिमटती आय की वजह से जापान पर कर्ज का भार लगातार बढ़ रहा है।

वहीं, तकरीबन 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में इस समय विश्व की सबसे ज्यादा युवा आबादी है, जो कुल जनसंख्या का लगभग पैंसठ फीसद है। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के मुताबिक, भारत में 15 से 16 फीसद कमाऊ एवं युवा आबादी के पास रोजगार नहीं है। यानी इस समय देश की 36.7 करोड़ युवा आबादी अर्थव्यवस्था में सक्रिय योगदान देने के लिए तैयार है, लेकिन विडंबना यह है कि यहां सबके लिए काम ही नहीं है। इस समय देश में डेढ़ से ढाई करोड़ युवा बेरोजगार हैं और इनमें भी पढ़े-लिखे युवाओं की आबादी ज्यादा है।

सीधे तौर पर कहा जाए, तो वर्तमान में युवा आबादी भी अर्थव्यवस्था में या तो लागत या फिर औसत गुजारे का ही योगदान दे पा रही है। ऐसे में यह सवाल चिंता पैदा करता है कि पच्चीस से तीस साल बाद की तस्वीर क्या होगी? क्योंकि संयुक्त राष्ट्र की 'इंडिया एजिंग रिपोर्ट-2023' के मुताबिक, वर्ष 2022 में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 14.9 करोड़ थी, जो 2050 तक बढ़कर 34.7 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। यानी पच्चीस साल बाद पांच में से हर एक भारतीय बूढ़ा होगा। साफ है कि विकसित अर्थव्यवस्था के पायदान पर पहुंचने से पहले ही भारत की गिनती बूढ़े देशों में होने लगेगी।

बच्चे और बूढ़े अर्थव्यवस्था पर निर्भर एक ऐसी आबादी है, जिसका बोझ उठाना सरकार और परिवार दोनों की मजबूरी है। बच्चे भविष्य का निवेश हैं, जिनके आने वाले समय में आय में तब्दील होने की उम्मीद है, जबकि बुजुर्ग आबादी केवल बचत का खर्च है। मगर ऐसा सोचकर बुढ़ापे की निर्भरता को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। भविष्य की तैयारी करके इस चुनौती को गंभीर समस्या बनने से रोका जा सकता है।

केंद्र सरकार बजट का लगभग अठारह फीसद हिस्सा स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण पर खर्च करती है। इसमें से बुजुर्गों से जुड़ी योजनाओं के हिस्से केवल 0.15-0.20 फीसद रकम ही आती है। सरकारी खजाने से 6,645 करोड़ रुपए वृद्धावस्था पेंशन पर खर्च होते हैं, जो गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को दिए जाते हैं। यह राशि दिखने में भले ही बड़ी लगती है, लेकिन केंद्र की तरफ से प्रति व्यक्ति बुजुर्ग पेंशन के जरिए 200 से 500 रुपए की मामूली सहायता ही मिल पाती है, जिसमें राज्य अपने बजट का बड़ा हिस्सा जोड़कर इसे दो हजार से तीन हजार रुपए तक तय करते हैं। मगर मौजूदा हालात में इतनी कम राशि की मासिक पेंशन के भरोसे क्या गुजारा संभव है?

हालांकि सरकारी बजट पर बुजुर्गों की देखरेख एवं कल्याण के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, बीमा और बचत योजनाओं का भी दबाव है।

भोजन, आश्रय और चिकित्सा की संयुक्त योजनाओं के अलावा शारीरिक सहायता एवं बुजुर्गों के लिए जीवनयापन में सहायक जरूरी सामान भी सरकार वृद्धों को मुफ्त मुहैया कराती है। अलग-अलग योजनाओं पर सालाना हजारों करोड़ रुपए सरकारी खजाने से खर्च होते हैं।

हालांकि अर्थशास्त्री और नीति-विशेषज्ञ इसे खर्च नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का निवेश मानते हैं, जिसमें पैसा घूमकर खर्च या निवेश के रूप में वापस अर्थव्यवस्था में लौट आता है। मगर यह भी सच है कि सरकारी नीतियों के कागजों से जमीन पर उतरने में कई तरह के रोड़े हैं और योजनाओं की इस चमचमाती तस्वीर से अक्सर अपने घरों की दहलीज पर भूखे, अकेले और बीमार बैठे बुजुर्ग गायब रहते हैं। सरकारी मदद की या तो उन्हें जानकारी ही नहीं होती या फिर इस तक पहुंचना उनके लिए संभव नहीं हो पाता।

एक और दिलचस्प बात यह है कि देश का मध्यम वर्ग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो सबसे ज्यादा कर का बोझ उठाता है। वेतनभोगी और व्यापारिक मध्य वर्ग अपनी कुल आय का लगभग बीस से 45 फीसद विभिन्न तरह के कर के रूप में चुकाता है। इसके बावजूद इस वर्ग को सीधे तौर पर सरकार की तरफ से सामाजिक सुरक्षा या निश्चित बुढ़ापा पेंशन नहीं मिलती। चूंकि यह वर्ग सरकारी मानदंडों में मजबूर, गरीब और निचले तबके में नहीं आता, तो इसे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का भी सहारा नहीं मिलता। यानी इसे अपने वर्तमान और भविष्य की चिंता खुद ही करनी होती है।

अब सवाल यह है कि इस असुरक्षा का दबाव क्या आने वाले वर्षों में अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ेगा? यह भी एक बड़ी समस्या है कि देश में प्रजनन दर बहुत तेजी से गिर रही है, क्योंकि कामकाजी होती युवा पीढ़ी में बच्चे पैदा न करने या सिर्फ एक बच्चे तक ही सीमित रहने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस समय देश में कुल प्रजनन दर 1.9 फीसद है, जोकि जनसंख्या के स्थिर संतुलन के आंकड़े 2.1 फीसद से काफी कम है।

प्रजनन दर में गिरावट की शुरुआत वर्ष 1970 के मध्य से ही शुरू हो गई थी, इसमें सबसे ज्यादा तेजी 1990 से 2000 के बीच दर्ज की गई। जो प्रजनन दर वर्ष 1991 में 3.6 फीसद थी, वह 2001 आते-आते 3.1 फीसद रह गई। वर्ष 2001 से लेकर अब तक प्रजनन दर में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इस समय देश में प्रजनन दर इतिहास के सबसे न्यूनतम स्तर पर है। यानी वर्ष 1970 में औसतन एक महिला के पांच से अधिक बच्चे होते थे, मगर वर्तमान में यह औसत दो बच्चों से भी कम रह गई है। जबकि आजादी के समय प्रजनन दर अपने उच्चतम स्तर 6.18 फीसद पर थी।

दिल्ली, केरल, तमिलनाडु जैसे राज्यों में जन्म दर विकसित देशों जितनी कम हो चुकी है। इससे आने वाले समय में मानव कार्यबल में भारी कमी और क्षेत्रीय असमानता का खतरा पैदा होगा। देश में सरकारी योजनाओं का आधार बनने वाली नई जनगणना कई मायनों में खास होगी, जो भविष्य की रूपरेखा तैयार करेगी। इस बीच बचपन और बुढ़ापे का बिगड़ता आंकड़ा चर्चा नहीं, बल्कि संतुलन की जरूरत बता रहा है। अगर इस चुनौती पर अभी से काम शुरू नहीं किया गया, तो भविष्य के युवा कंधे इसका बोझ नहीं उठा पाएंगे। (यह लेखक के अपन विचार है)

उभरता उत्तर प्रदेश- वैश्विक निवेश की नई धुरी

(प्रोफेसर शिववर्धन पाठक)

'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे से 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन 2026? तक का सफर बताता है कि जब कोई सरकार राज्य के विकास के लिए साफ नीयत व स्पष्ट नीति के साथ कदम बढ़ाती है तो नतीजा उन्नति का नया सवेरा लेकर ही आता है।'

कभी देश के औद्योगिक मानचित्र पर हाशिए पर रहने वाला उत्तर प्रदेश आज वैश्विक निवेशकों के लिए पहली पसंद बनता जा रहा है, तो इसमें अचरज की कोई बात नहीं है। क्योंकि 25 करोड़ की विशाल आबादी वाला यह राज्य अब केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी आधुनिक अवसंरचना, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, और वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के स्पष्ट रोडमैप के कारण पहचाना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सफल जापान दौरे और वर्तमान में जारी 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन 2026' ने यह साबित कर दिया है कि उत्तर प्रदेश ने खुद को वैश्विक पूंजी और तकनीक के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार कर लिया है।

भरोसे और रणनीतिक साझेदारी की नींव - फरवरी 2026 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे ने उत्तर प्रदेश और जापान के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक संबंधों को एक नए आर्थिक आयाम में बदल दिया। टोक्यो रोड शो के दौरान जापानी उद्योगपतियों और टेक-दिग्गजों से मुलाकात कर मुख्यमंत्री ने राज्य के मेक-इन-यूपी विजन को प्रस्तुत किया। इस दौरान जापानी कंपनियों के साथ करीब एक लाख करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जबकि ?1.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। कुबोटा, स्पार्क मिंडा, टोयो डेंसो व नागासे जैसी दिग्गज जापानी कंपनियों ने एग्रीकल्चरल मशीनरी, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश की प्रतिबद्धता जताई। यामानाशी विश्वविद्यालय के साथ मिलकर आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू और एचबीटीयू के सहयोग से 'ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना पर सहमति बनी। जापानी निवेशकों की सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश सरकार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के निकट यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में 500 एकड़ भूमि पर विशेष 'जापान सिटी' विकसित कर रही है। यह एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप जापानी कंपनियों और उनके सप्लायर्स के लिए एक प्लग-एंड-प्ले प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगी।

वैश्विक निवेश का 'हब' कैसे बना उत्तर प्रदेश - जापान दौरे की सफलता के बाद दिल्ली-एनसीआर में आयोजित हो रहा 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन 2026' (18-23 अगस्त) दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक रिश्तों को धरातल पर उतारने का काम कर रहा है। इसमें 200 से अधिक शीर्ष जापानी प्रतिनिधि, सीईओ और नीति निर्माता भाग ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश का यह आर्थिक रूपांतरण रातों-रात नहीं हुआ है। इसके पीछे दूरदर्शी नीतियां, कनेक्टिविटी और बेहतर शासन मॉडल है। 'जीरो टॉलरेंस' पर आधारित लॉ एंड ऑर्डर नीति ने राज्य में अपराधियों के खौफ को खत्म कर निवेशकों को सुरक्षा का भरोसा दिया है। सिंगल विंडो पोर्टल 'निवेश मित्र', सेक्टर-विशिष्ट नीतियों, और एमएसएमई इकाइयों के लिए 1000 दिनों तक कई एनओसी से छूट जैसे कदमों ने प्रदेश में लालफीताशाही को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है।

विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे और लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी - देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का 60 प्रतिशत हिस्सा अब यूपी में है। 17 चालू/प्रस्तावित घरेलू एयरपोर्ट्स, 5 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, ईस्टर्न व वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन, और देश का पहला इनलैंड वाटरवे (वाराणसी) यूपी को एक मजबूत लॉजिस्टिक्स पावरहाउस बनाते हैं। यही वजह है कि आज यूपी के पास भारत का 55 फीसदी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और 60 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उत्पादन का आधार है। 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां और एक विशाल युवा कार्यबल जापानी निवेशकों को निर्माण से लेकर खपत तक एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) प्रदान करते हैं।

वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था में निर्णायक - 'बीमारू' राज्य के ठप्पे को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश आज भारत के विकास का सबसे बड़ा ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। पिछले 9 वर्षों में राज्य का बजट, जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय लगभग तीन गुना बढ़ चुकी है। जापान और उत्तर प्रदेश के बीच का संबंध केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्ध विरासत का भी है। भगवान बुद्ध की कर्मभूमि–सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, और कपिलवस्तु–का विकास 'बुद्ध सर्किट' के रूप में करके राज्य ने जापानी पर्यटकों और आध्यात्मिक निवेशकों के साथ एक आत्मीय भावनात्मक संबंध गढ़ा है। यह केवल निवेश का आगमन नहीं। यह जापानी टेक्नोलॉजी व प्रिसिजन का यूपी के स्केल व स्पीड के साथ एक ऐतिहासिक संगम है। आज उत्तर प्रदेश ने यह साबित कर दिखाया है कि स्थिर सरकार, पारदर्शी नीतियों, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षित माहौल के बल पर किसी भी क्षेत्र को दुनिया की अग्रणी आर्थिक जमीन के रूप में स्थापित किया जा सकता है। आने वाले दिनों में दुनिया के अन्य शीर्ष औद्योगिक देशों के प्रतिनिधिमंडल यदि उत्तर प्रदेश में दौरा करते दिखाई दें तो यह हैरत की बात नहीं होगी।(लेखक प्रोफेसर हैदीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष रह चुके हैं।) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

साधारणता में छिपा है असली सौंदर्य- चमक-दमक से दूर, सरलता में ढूंढें जीवन का सच्चा आनंद

जब हम सरल जीवन अपनाते हैं, कम वस्तुओं का उपभोग, स्थायी और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करते हैं, तो हम पर्यावरण पर दबाव कम करते हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन और भोग-विलास ने न केवल प्राकृतिक संसाधनों को खत्म किया है, बल्कि मानसिक असंतोष और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाई है। साधारण जीवनशैली अपनाने से हम संसाधनों का सम्मान करते हुए संतुलन बनाए रख सकते हैं। इसके अलावा, साधारणता का अर्थ सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देना हो सकता है। जब हम दिखावे के बजाय गुणवत्ता और संबंधों को महत्त्व दें, तो समाज में दिखावे के कारण बनने वाले विभाजन कम होते हैं।

(अविनाश जोशी)

साधारणता में ही जीवन का असली सौंदर्य और शांति छिपी है। बनावटी चमक-दमक से दूर, सादा जीवन और प्रामाणिक रिश्ते हमें मानसिक स्पष्टता, आत्मसंतोष तथा प्रकृति के साथ बेहतर संतुलन प्रदान करते हैं।

हम अक्सर सुंदरता की परिभाषा बड़ी चीजों, असाधारण चिह्नों और भव्य दृश्यों से जोड़ लेते हैं। चमकीली रोशनी से सजी इमारतें, महंगे पोशाक-परिधान और सोशल मीडिया पर खूब प्रचारित होने वाली तस्वीरें- ये सभी मन में सुंदरता का एक विशेष और ऊंचा मानक स्थापित कर देते हैं। मगर हम ध्यान से देखें तो जीवन की सबसे ठोस, स्थायी और दिल को छू लेने वाली सुंदरता अक्सर साधारण, सामान्य और रोजमर्रा की चीजों में छिपी होती है। साधारण के भीतर छिपा यह सौंदर्य न सिर्फ दिखता है, बल्कि महसूस भी होता है। यह हमें ज्यों का त्यों रहने और सरलता में आनंद लेने की प्रेरणा देता है।यह समझना जरूरी है कि 'साधारण' का अर्थ दुर्बल या निम्न नहीं होता। साधारण का तात्पर्य है सरलता, अप्रतिष्ठ और स्वाभाविकता- ऐसी चीजें जो बेझिझक, बिना सजावट के और वास्तविक रूप में मौजूद रहती हैं। एक खेत में खड़ी सरसों की पीली लहर, आम के बाग में मौसम का मीठा फल या एक बरसाती सड़क पर चलती साइकिल- ये तमाम दृश्य किसी भी समय हमें सहजता से आनंद दे सकते हैं। इनके सामने चमक-दमक की आभा अस्थायी और सतही लगती है, क्योंकि साधारण चीजों का आकर्षण सच्चाई और अनुराग से जुड़ा होता है, न कि दिखावे से।

साधारणता की सुंदरता का एक बड़ा कारण उसकी प्रामाणिकता है। जब कोई वस्तु या अनुभव सजावट, दिखावे या बनावटीपन से मुक्त होता है, तब वह अपनी असली पहचान प्रकट करता है। प्रामाणिकता का अर्थ है कि चीजें जैसे हैं, वैसी ही स्वीकार की जाएं। यह स्वीकार्यता हमें गहरा संतोष देती है। साधारण रिश्ते, जो दिखावे के बजाय समझदारी, भरोसे और साधारण सहायक भावों पर टिकी हों, वे अक्सर सबसे मजबूत व टिकाऊ होते हैं। हर सफल दोस्ती या पारिवारिक संबंध के पीछे रोजमर्रा की छोटी-छोटी परवाह व साझा किए गए अनुभव होते हैं, जो दिखने में साधारण पर व्यवहार में गहरे होते हैं।

सदियों से भारतीय संस्कृति में साधारणता की महत्ता

पर जोर दिया गया है। हमारे ऋषि-मुनि, संत और साधु साधारण जीवन को अहम मानते रहे हैं, क्योंकि वे जानते थे कि कम चीजों के साथ जीना मन के लिए शांति का मार्ग खोलता है। अधिक की लालसा मन को बेचैन कर देती है, जबकि साधारणता में संतोष और आत्मसंतुष्टि होती है। लोक जीवन की कला, हस्तशिल्प और ग्रामीण संस्कृति में भी यही सौंदर्य निहित है। हाथों से बनी मिट्टी के बर्तन, बुनकरों के कपड़े, गांव की सादगी- ये सब हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और अस्तित्व के अर्थ की याद दिलाते हैं।

जब हम सरल जीवन अपनाते हैं, कम वस्तुओं का उपभोग, स्थायी और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करते हैं, तो हम पर्यावरण पर दबाव कम करते हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन और भोग-विलास ने न केवल प्राकृतिक संसाधनों को खत्म किया है, बल्कि मानसिक असंतोष और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाई है। साधारण जीवनशैली अपनाने से हम संसाधनों का सम्मान करते हुए संतुलन बनाए रख सकते हैं। इसके अलावा, साधारणता का अर्थ सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देना हो सकता है। जब हम दिखावे के बजाय गुणवत्ता और संबंधों को महत्त्व दें, तो समाज में दिखावे के कारण बनने वाले विभाजन कम होते हैं।

व्यक्तिगत जीवन में साधारणता अपनाने का अर्थ केवल भौतिक वस्तुओं की कटौती नहीं है, बल्कि मानसिक सरलीकरण भी है। आज हम अनेक अपेक्षाओं, योजनाओं व तनावों से घिरे रहते हैं। साधारण जीवन का अभ्यास दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव, अनावश्यक शोर को कम करना, प्राथमिकताओं का फिर से मूल्यांकन हमें मन की स्पष्टता देता है। सुबह की थोड़ी सैर, मोबाइल का समय सीमित करना और भोजन के समय पूरी तरह उपस्थित रहना- ये कदम भी जीवन की गुणवत्ता बदल देते हैं। जब मन शांत होता है, तब हम आसपास की साधारण सुंदरताओं को भी अधिक गहराई से देख पाते हैं।

फिर भी, साधारणता का अर्थ आत्म-परित्याग नहीं है। यह तर्कसंगत ढंग से चुनने और उन चीजों को बनाए रखने का तरीका है, जो खुशी और अर्थ देती हैं। हर दिन कुछ मिनट निकालकर उन चीजों के लिए धन्यवाद करना, जैसे निरोग होना, परिवार की हंसी और प्रकृति की उपस्थिति हमें यह याद दिलाती है कि जीवन की असल खुशियां दिखावे से नहीं, बल्कि अनुभवों और रिश्तों से आती हैं। आभार का अभ्यास दृष्टिकोण को बदल देता है। वही दिन, जो पहले बेमायने थे, साधारणता की दृष्टि से समृद्ध और सुंदर लगने लगता है। हमारे समाज में आधुनिकता और पारंपरिकता के बीच एक संतुलन बनाना आवश्यक है। आधुनिक सुविधाएं और विज्ञान हमारी जिंदगी को सरल और सुविधाजनक बना सकते हैं, मगर उन सुविधाओं का उपयोग तभी सार्थक है, जब हम उन्हें साधारण जीवन के सिद्धांतों के साथ जोड़ते हैं।

तकनीक और साधारणता विरोधी नहीं हैं। वे मिलकर बेहतर जीवन का आधार बन सकते हैं। 'जो साधारण है वही सुंदर है' - यह विचार हमें एक गहरी मानवीय सच्चाई की ओर ले जाता है कि वास्तविक खुशी और सुंदरता बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि अंदरूनी शांति, ईमानदारी और संबंधों की सरलता में है। साधारण होना हमें जीवन की असली परतों से जुड़ने का अवसर देता है। रिश्तों की गर्माहट, प्रकृति की सहजता, और स्वयं के प्रति सच्चाई। जब हम साधारण को अपनाते हैं, तब हमारे देखने का ढंग बदल जाता है। छोटे-छोटे पल भी उत्सव बन जाते हैं और जीवन का हर क्षण पूर्णता से भरपूर दिखता है। यही साधारणता की परम स्वतः-स्फूर्त सुंदरता है- स्थायी, सहज और सबके लिए सुलभ।

ग्रीन डे सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन, 300 से अधिक विद्यार्थियों ने हरी वेशभूषा में दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

स्पीच प्रतियोगिता में बच्चों ने बताए पस्पीच प्रतियोगिता में बच्चों ने बताए पेड़-पौधों के महत्व

भटगांव। नगर के अग्रणी शिक्षण संस्थान लोटस पब्लिक स्कूल भटगांव में पर्यावरण संरक्षण, हरियाली एवं प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ग्रीन डे सेलिब्रेशन का आयोजन बड़े ही उत्साहपूर्वक किया गया। जहां विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में 300 से अधिक विद्यार्थी ग्रीन थीम पर आधारित आकर्षक वेशभूषा में शामिल हुए।

बच्चों ने अपनी वेशभूषा एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावशाली संदेश दिया। पूरा विद्यालय परिसर हरे रंग की सजावट, पौधों और रंग-बिरंगी रंगोलियों से सजा रहा, जहां उत्साह और पर्यावरण जागरूकता का सुंदर वातावरण देखने को मिला। सुबह से ही विद्यालय का नजारा देखते ही बन रहा था। प्रवेश द्वार पर हरे रंग के गुब्बारे और पत्तों की बंदनवार, कक्षाओं में हरे बोर्ड, बच्चों के हरे कपड़े - हर तरफ हरियाली ही हरियाली। नन्हे-मुन्ने बच्चे पेड़, पत्ते, फूल, सब्जियां, मटर, मेंढक और पर्यावरण दूत की वेशभूषा में आए थे। वहीं कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 8वीं तक के सभी बच्चों ने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिक्षकों ने बताया कि हरे रंग को जीवन, खुशहाली, उर्वरता और संतुलन का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण बच्चों को प्रकृति से जोड़ने के लिए ग्रीन डे मनाया गया। ग्रीन डे के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए ग्रीन थीम एवं पर्यावरण जागरूकता पर स्पीच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जहां इस प्रतियोगिता में बच्चों ने पेड़-पौधों के महत्व, स्वच्छ पर्यावरण एवं हरियाली संरक्षण के विषय में अपने विचार व्यक्त किए। वहीं कक्षा 5वीं की छात्रा ने कहा पेड़ हमारे सबसे अच्छे दोस्त हैं। वे हमें ऑक्सीजन देते हैं, फल देते हैं, छाया देते हैं और बदले में कुछ नहीं मांगते। अगर हमने पेड़ों को काटना बंद नहीं किया तो आने वाली पीढ़ी को सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा। जहां कक्षा 7वीं के छात्र ने अपने भाषण में कहा पर्यावरण सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। हम सभी को एक-एक पौधा लगाना चाहिए। प्लास्टिक का उपयोग बंद करना चाहिए और पानी बचाना चाहिए। स्वच्छ पर्यावरण में ही स्वस्थ जीवन संभव है। जहां निर्णायकों ने बच्चों के आत्मविश्वास, विषय की समझ और प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं का चयन किया। सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए गए। शिक्षकों का कहना था कि ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों में आत्मविश्वास और बोलने की कला के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी विकसित होती है। कार्यक्रम का दूसरा प्रमुख आकर्षण रंगोली प्रतियोगिता रही, जिसका आयोजन कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए किया गया। और सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण एवं प्रकृति से संबंधित आकर्षक रंगोलियां बनाईं। किसी ने पेड़ लगाते हुए मानव की रंगोली बनाई, तो किसी ने धरती को बचाने का संदेश देती रंगोली, किसी ने सेव ट्री-सेव लाईफ तो किसी ने गो-ग्रीन लिखकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। साथ ही रंगोलियों में हरे, भूरे और प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया गया था। कई बच्चों ने फूल, पत्तियों और अनाज का उपयोग कर इको-फ्रेंडली रंगोली बनाई, जिसकी सभी ने सराहना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि रंगोली प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मकता को निखारना और प्रकृति से जोड़ना है।

किरंदुल में श्रावण के अंतिम सोमवार पर 111 पार्थिव शिवलिंगों का भव्य सामूहिक रुद्राभिषेक

किरंदुल। पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर नगर के श्री राघव मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।नगर की सुख-शांति,समृद्धि और मंगलकामना को लेकर श्रीराम जन कल्याण सेवा समिति बैलाडीला देव स्थान समिति एवं गायत्री परिवार किरंदुल के संयुक्त तत्वावधान में 111 पार्थिव शिवलिंगों का भव्य सामूहिक रुद्राभिषेक एवं शिव आराधना का आयोजन विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक चले इस दिव्य अनुष्ठान में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ के 111 पार्थिव शिवलिंगों का जल, दूध, दही, घी, शहद और बेलपत्र से रुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने एक साथ बैठकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रों और शिव भक्ति से शिवमय हो गया था।रुद्राभिषेक के पश्चात शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक पंचाक्षरी

महामंत्र ओम नमः शिवाय का सामूहिक जाप और विशेष शिव आराधना की गई। सैकड़ों कंठों से एक साथ निकले ओम नमः शिवाय और हर-हर महादेव के गगनभेदी जयघोष से न केवल मंदिर परिसर बल्कि पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। आयोजन समिति ने बताया कि इस सामूहिक आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि समाज में श्रद्धा, सद्भाव, प्रेम, एकता और भाईचारे के संदेश को मजबूत करना था। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से नगर परिवार सहित सभी के कल्याण की कामना की। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्यों और नगर के श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा।

चिंतावागु नदी का बढ़ा जलस्तर, नगर सेना ने बोट से ग्रामीणों को कराया सुरक्षित पार

बीजापुर। जिले मे लगातार बारिश के चलते चिंतावागु नदी का जलस्तर बढ़ने से चिन्नाकवाली के पास ग्रामीणों के लिए नदी पार करना मुश्किल हो गया। तेज बहाव के बीच नगर सेना की टीम ने मौके पर पहुंचकर बोट के माध्यम से ग्रामीणों को सुरक्षित नदी के दूसरे छोर तक पहुंचाया। अस्वस्थ व्यक्तियों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें भी सुरक्षित पार कराया गया। नदी में पानी का बहाव बढ़ने के बाद ग्रामीणों के आवागमन में परेशानी आने लगी थी। स्थिति को देखते हुए नगर सेना के जवानों ने मोर्चा संभाला और बोट के जरिए लोगों को सुरक्षित पार कराने का अभियान शुरू किया। जवानों ने तेज बहाव के बीच पूरी सतर्कता के साथ बोट का संचालन किया।

नदी-नालों का जलस्तर बढ़ा

लगातार बारिश से जिले के नदी-नालों में जलस्तर बढ़ रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के आवागमन पर पड़ रहा है। प्रशासन ने राहत एवं बचाव दलों को सक्रिय रखा है, ताकि आपात स्थिति में ग्रामीणों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

मुश्किल समय में मिली मदद

चिन्नाकवाली के पास नगर सेना की टीम की तत्परता से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। तेज बहाव के बीच बोट से सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलने से विशेषकर अस्वस्थ लोगों को समय पर आगे जाने में मदद मिली।

सावन के आखिरी सोमवार महादेव घाट में उमड़ी भीड़, भंडारे में पहुंचे श्रद्धालु

बीजापुर। सावन के अंतिम सोमवार को महादेव घाट स्थित महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भगवान शिव के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे भक्तों से मंदिर परिसर में दिनभर चहल-पहल बनी रही। हर-हर महादेव के जयघोष के बीच सुंदरकांड पाठ, भजन और आरती हुई। इसके साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।नगर पालिका उपाध्यक्ष भुवन सिंह चौहान के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में शहर के अलग-अलग इलाकों से श्रद्धालु पहुंचे। श्री बजरंग मानस सेवा समिति की मंडली ने सुंदरकांड पाठ और भजनों की प्रस्तुति दी। समिति अध्यक्ष टीआर पात्रे के साथ जगदीश प्रसाद विश्वकर्मा, हारमोनियम वादक अरुण विश्वकर्मा, नारायण सोड़ी, सिरोज विश्वकर्मा और आशुतोष दास सहित मंडली के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में एसडीएम जागेश्वर कौशल ने देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी और माता की आरती की। पंडित राम गोपाल शर्मा ने बताया कि सावन के अंतिम सोमवार को महादेव मंदिर में हवन-पूजन की परंपरा है। उन्होंने इस दिन को भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष बताया।

मानस मंडली का सम्मान

सुंदरकांड पाठ में शामिल मानस मंडली के सदस्यों को श्रीफल भेंट कर गमछा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ऊर्मिला तोलक, बसंती लिंगम, पार्षद संजय रिवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजन के विशेष सहयोगी कुशल चोपड़ा ने सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं और सहयोगियों का आभार जताया।

बच्चों के उत्साह ने बढ़ाई कांवड़ यात्रा की शोभा, झाड़ेश्वर शिवालय में हुआ जलाभिषेक

जगदलपुर। जगदलपुर शहर के डॉ. अब्दुल कलाम वार्ड स्थित झाड़ेश्वर शिवालय में वार्डवासियों के सहयोग से एक भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और गोरिया बाहर से पवित्र जल लेकर कांवड़ यात्रा के साथ झाड़ेश्वर शिवालय पहुंचे, जहां विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण नन्हे-नन्हे बच्चों की सहभागिता रही। छोटे-छोटे कांवड़ियों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ यात्रा में भाग लिया। बच्चों को कांवड़ उठाए देख हर कोई गदगद नजर आया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से नई पीढ़ी में सनातन संस्कृति, संस्कार और धार्मिक परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना मजबूत होती है। यात्रा के समापन पर मंदिर में भगवान झाड़ेश्वर का जलाभिषेक संपन्न हुआ। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस सफल आयोजन में वार्ड के सभी नागरिकों और श्रद्धालुओं का सक्रिय योगदान रहा।

पवित्र श्रावण मास में श्री राम स्मृति उपवन हरित सरोवर शिवालय स्थित तारगांव में जलाभिषेक किया गया

माकड़ी। श्रावण मास के पावन अवसर पर बोल बम कावड़िया समिति तारगांव (रांघना) के तत्वाधान में लगातार दो वर्षों से शिव भक्त सावन माह में कांधे पर कांवड़ लेकर कांवड़ियों की टोली 22 अगस्त दिन शनिवार को श्रृंगीऋषि सिहावा के लिए निकली तथा 24 अगस्त दिन सोमवार को वहां से जल लेकर कांवड़ियों भक्त जनों की टीम तारगांव पहुंची।

तत्पश्चात श्रीराम उपवन हरित सरोवर शिवालय स्थित तारगांव में जलाभिषेक किया। इस पावन अवसर पर शिव भक्त जनों का विशाल जन समूह उमड़ पड़ा, जिससे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर दिया। कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं ने शिव नाम का जय घोष करते हुए भक्ति भाव के साथ नाचते गाते आगे बढ़ते रहे यात्रा का मार्ग फल फ्लाहारी शीतल जल के वितरण से शिवमय बना रहा उत्साहपूर्वक क्षेत्र के जनपद सदस्य क्षेत्र रांघना माकड़ी से विद्या नरेंद्र नेताम पूर्व जनपद सदस्य दिनेश नेताम, शिव कांवड़ यात्रा समिति के अध्यक्ष सारंग लाल नेताम, उपाध्यक्ष लखन लाल नेताम, सचिव जोविंद नेताम, सह सचिव अनिल मरकाम, कोषाध्यक्ष लोमेश कुमार साहु, सदस्य कन्हैया कुमार मरकाम, हरीश मरकाम, विनेश पम्मार, देवलाल मरकाम, गौतम महंत, मनोज पम्मार, योगेश भारद्वाज,जय प्रकाश पम्मार, किशोर पम्मार, सुबेलाल मरकाम, दिनेश नेताम।संरक्षक माधव चौहान, आशीष दास, ज्वालाप्रसाद मरकाम, नरेन्द्र नेताम, पवन यादव, दिनेश नेताम, अर्जुन मरकाम, संयोजक अनुराग आचार्य जी सहित ग्राम के वरिष्ठ गणमान्य नागरिक सहयोगी दल और कांवड़ यात्रीयों की कुल जाथा 131 शिव भक्त सम्मिलित रहे।

खदान मजदूर संघ द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एल-01 एल-02 स्थानीय भर्ती सहित तीन बिंदुओं का मांगपत्र सौंपा गया

किरंदुल। खदान मजदूर संघ (संबद्ध भारतीय मजदूर संघ) शाखा किरंदुल द्वारा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के नाम पर उनके सलाहकार आर. कृष्णा दास (कैबीनेट मंत्री दर्जा) को राजधानी रायपुर स्थित उनके कार्यालय में तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें प्रमुख रुप से एनएमडीसी लिमिटेड बीआईओएम किरंदुल एवं बचेली कॉम्प्लेक्स में एल-01 एवं एल-02 के पदों पर होने वाली भर्तियों में स्थानीय अभ्यर्थियों को प्राथमिकता प्रदान करने की मांग की गई है। मांग के साथ साथ स्थानीय अभ्यर्थियों को प्राथमिकता हेतु ठोस पहल करते हुए यह परामर्श भी दिया गया है कि कुछ वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल द्वारा बस्तर संभाग के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता देने के लिए बस्तर से 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए जिस प्रकार से अलग से 20 अंक बोनस का प्रावधान किया गया था, उसी तर्ज पर एनएमडीसी में एल-01 एवं एल-02 के पदों पर नियुक्ति हेतु स्थानीय अभ्यर्थियों को विशेष लाभ प्रदान किया जाना चाहिए। इस महत्वपूर्ण मांग के साथ ही साथ ठेका श्रमिक के कार्य पर सिर्फ स्थानीय बेरोजगार युवाओं को संलग्नीकृत करने तथा पूर्व की भाँति स्थानीय युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किये जाने की मांगे सम्मिलित है। इस अवसर पर खदान मजदूर संघ (सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ) शाखा किरंदुल के अध्यक्ष बी. दिल्ली राव, महेंद्र कुमार के साथ डी. के. देशमुख विशेष रूप से उपस्थित थे।

प्राणघातक हमला कर हत्या का प्रयास करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार, टांगी से किया था हमला

सरपंच चुनाव की पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर मारपीट, थाना प्रभारी शिवकुमार धारी के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई, दोनों आरोपी जेल भेजे गए

भटगांव। भटगांव पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्राणघातक हमला कर हत्या का प्रयास करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। जहां मामला ग्राम सलौनीखुर्द का है, जहां सरपंच चुनाव में हार और पुराने विवाद को लेकर आरोपियों ने एक ही परिवार पर घर में घुसकर टांगी से हमला कर दिया था। प्रार्थी सत्यनारायण यादव निवासी ग्राम सलौनीखुर्द ने थाना भटगांव में जुबानी रिपोर्ट दर्ज कराया था। और प्रार्थी ने बताया कि वह अपने भाई गोपीचंद और अपनी मां के साथ घर पर खाना खाने के लिए बैठा था। तभी उसी गांव के रवि यादव और गणपत यादव तथा हरा बाई, दिलबाई यादव उनके घर के सामने आ गए। और सरपंच चुनाव में हारने की बात को लेकर और पुरानी रंजिश को लेकर वे सभी मां-बहन की अश्लील गाली-गलौच करने लगे। इसके बाद वे जबरन घर में घुस गए। आरोपियों ने प्रार्थी की मां के साथ गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मारपीट की, जिससे उसकी मां बेहोश हो गई। बीच-बचाव करने आए प्रार्थी सत्यनारायण यादव पर आरोपी रवि यादव ने टांगी से प्राणघातक हमला कर दिया जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। पीड़ित की रिपोर्ट पर थाना भटगांव पुलिस ने तत्काल अपराध पंजीबद्ध किया। और मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 333, 296, 351(3), 109(1) और 3(5) के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। साथ धारा 109(1) हत्या के प्रयास के लिए लगाई गई है, जो इस मामले की गंभीरता को दर्शाती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शिवकुमार धारी ने तत्काल टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। जहां पुलिस ने घेराबंदी कर 2 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें आरोपी रवि कुमार यादव पिता स्व. सुदर्शन यादव, उम्र 29 वर्ष, वहीं दूसरी आरोपी हार बाई उर्फ सोनाई बाई यादव पति स्व. सुदर्शन यादव, उम्र 56 वर्ष दोनों निवासी - ग्राम सलौनीखुर्द, थाना भटगांव, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के है। जहां पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त टांगी को भी जब्त कर लिया है। साथ ही दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। शेष आरोपी गणपत यादव और दिलबाई यादव की तलाश जारी है।

अंजरी नाले में अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी

पखांजुर। पखांजूर आश्रम से लगे अंजरी नाला में सोमवार को एक अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि नाले में बहकर आया शव पानी के तेज बहाव के बीच नाला किनारे की डंगाली में फंस गया था। स्थानीय लोगों की नजर शव पर पड़ने के बाद इसकी सूचना तत्काल पखांजूर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में लिया।

पुलिस ने शव का पंचनामा कार्रवाई करते हुए मामले को विवेचना में लिया है। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो पाई है और उसकी मौत के कारणों का भी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में महिला की पहचान के संबंध में जानकारी जुटा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि महिला नाले में कैसे पहुंची। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। महिला की पहचान और घटना की परिस्थितियों को लेकर पुलिस की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

महतारी वंदन की किश्त से खिला सोनिया का चेहरा, बोलीं- मुख्यमंत्री विष्णु भैया ने दिया रक्षाबंधन का तोहफा

बिलासपुर। शहर की रहने वाली महतारी वंदन योजना की हितग्राही सोनिया राजपूत रक्षाबंधन से पहले योजना की किश्त मिलने से बेहद खुश हैं। किश्त की राशि खाते में पहुंचने पर उन्होंने प्रदेश के

मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले महिलाओं को खुशी का तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि त्योहार के ठीक पहले आर्थिक सहायता मिलने से घर-परिवार की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी और रक्षाबंधन का पर्व और भी उत्साह के साथ मनाया जा सकेगा। सोनिया राजपूत ने बताया कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित रूप से आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे उन्हें अपने छोटे-बड़े घरेलू खर्चों को पूरा करने में सहूलियत होती है। योजना की किश्त मिलना उनके लिए खुशी का अवसर है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व है और ऐसे समय में सरकार की ओर से मिली आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखती है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु भैया के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के लिए आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। नियमित रूप से मिलने वाली राशि से महिलाएं अपनी जरूरतों के साथ-साथ बच्चों और परिवार से जुड़े जरूरी खर्चों में भी सहयोग कर पा रही हैं। सोनिया ने कहा कि योजना की किश्त समय पर मिलने से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और उन्हें अपने परिवार की आवश्यकताओं में योगदान देने का अवसर मिल रहा है।

फरार आरोपियों की सूचना देने पर मिलेगा ईनाम

बिलासपुर। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना तोरवा, जिला बिलासपुर में दर्ज अपराध के फरार आरोपियों की सूचना देने वालों के लिए 5 हजार रूपये के ईनाम की घोषणा की गई है। थाना तोरवा में दर्ज अपराध के आरोपी अर्जुन यादव, पिता बहोरिक यादव, उम्र 25 वर्ष, निवासी पंचायत भवन के पास महमंद, थाना तोरवा एवं आरोपी गोविंदा पासी, पिता जय सिंह पासी, उम्र 25 वर्ष, निवासी काली मंदिर के पास लालखदान तोरवा, थाना तोरवा जिला बिलासपुर (छ.ग.) के संबंध में सूचना देने वाले व्यक्ति को 5 हजार रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा एवं पुरस्कार वितरण के संबंध में पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला बिलासपुर का निर्णय अंतिम होगा। इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बिलासपुर 07752-223330, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर बिलासपुर 9479193002, पुलिस नियंत्रण कक्ष, बिलासपुर 07752-228504, मो.नं. 9479193099, थाना प्रभारी, तोरवा मो.नं. 9479193021 पर संपर्क किया जा सकता है।

पॉश कॉलोनी में बड़ी चोरीः सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों के सामान पर हाथ साफ, सीसीटीवी खराब

कोरबा। शहर की पॉश कॉलोनी में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। घंटाघर-बुधवारी मार्ग स्थित पावर हाइट्स कॉलोनी में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए कुंडी तोड़कर घर में प्रवेश किया और कमरे व अलमारी को खंगालकर सामान चोरी कर लिया। घटना के बाद कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, पावर हाइट्स कॉलोनी के मून ब्लॉक में विशाल गुप्ता के मकान में चोरी हुई है। विशाल गुप्ता बालको प्लांट में नियोजित एलआईपीएल ठेका कंपनी में अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि शनिवार रात उनके एक रिश्तेदार के निधन की सूचना मिली थी। इसके बाद विशाल गुप्ता अपने मकान में ताला लगाकर वहां से रवाना हो गए। वह फ्लिहाल किराए के दूसरे मकान में रह रहे हैं। उनके घर से निकलने के कुछ ही घंटों के भीतर चोरों ने सूने मकान को निशाना बना लिया। चोरों ने मकान की कुंडी तोड़ी और अंदर दाखिल हुए। इसके बाद कमरों और अलमारी को खंगाला गया। चोर घर में रखे सामान पर हाथ साफ कर फरार हो गए। चोरी हुए सामान और उसकी कुल कीमत का अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई तो उनके खराब होने की बात सामने आई। पॉश कॉलोनी में सुरक्षा गार्ड की मौजूदगी के बावजूद चोरी की वारदात होने से रहवासियों में दहशत का माहौल है।

कलेक्टर-एसएसपी ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही करने दिए निर्देश

■ सिंचाई, मुआवजा, बिजली और पीएम आवास योजना से जुड़ी समस्याएं लेकर पहुंचे लोग

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल एवं अपर कलेक्टर डॉ. ज्योति पटेल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए ग्राम पंचायत भैसाझार के सरपंच ने गांव में उद्वहन सिंचाई योजना का लाभ दिलाने की मांग की। आवेदन में बताया गया कि क्षेत्र के किसानों को सिंचाई सुविधा की आवश्यकता है और योजना का लाभ मिलने से खेती-किसानी में सहूलियत होगी। वहीं तखतपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत लाखासार सरपंच द्वारा क्षतिग्रस्त विद्युत केबल से जुड़ी समस्या के निराकरण की मांग करते हुए संबंधित कार्य जल्द कराए जाने का आग्रह किया गया। रतनपुर तहसील के ग्राम बारीडीह निवासी कार्तिक राम यादव ने भारी बारिश के कारण पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए अपने मकान की मरम्मत के लिए मुआवजा सहायता की मांग की। उन्होंने आवेदन में बताया कि वह मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। तेज बारिश के कारण उनका मकान पूरी तरह जर्जर होकर गिर गया, जिसके चलते उन्हें टूटे हुए मकान में रहने के

लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है। इसी तरह संतोष कुमार लोनिया ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत दुर्घटना बीमा योजना की लंबित राशि दिलाने की मांग की। आवेदन के अनुसार उनके पुत्र की 23 दिसंबर 2024 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। आवश्यक दस्तावेज एवं जांच संबंधी प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद अब तक बीमा राशि प्राप्त नहीं हुई है। आवेदक ने बताया कि संबंधित विभाग एवं न्यायालय को भी पत्राचार किया जा चुका है और उन्होंने 5 लाख रुपये की बीमा राशि शीघ्र दिलाने का आग्रह किया है। ग्राम बारीडीह के अनुराग कुमार जायसवाल ने एनएच-45 के निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि एवं मकान बाउण्ड्रीवाल के मुआवजे की राशि दिलाने की मांग की। आवेदन में बताया गया कि उनकी स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि पर मकान तथा बाउंड्रीवाल स्थित है, जिसे सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित किया गया है। उन्होंने कलेक्टर से लंबित मुआवजा राशि शीघ्र प्रदान करने की मांग की। शहर के चिंगराजपारा की श्रीमती गनेशिया मानिकपुरी ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन के लिए उन्होंने ऑफलाईन आवेदन भरा था। नाम आबंटन सूची में आने के बाद भी आज तक इस योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। सकरी तहसील के केकराड़ निवासी शिवकुमार ध्रुव ने धान पर्ची में उनका नाम नाबालिग के रूप में दर्ज होने से हो रही समस्या से कलेक्टर को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उनके पिता के नाम से दर्ज भूमि संबंधी रिकॉर्ड में उनका नाम नाबालिग के रूप में दर्ज है।

पक्के आवासों के साथ जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिली एक नई ताकत..

बिलासपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-26 के दौरान जनपद पंचायतों के हितग्राहियों के स्वीकृति आवास निर्माण के लिए राशि जारी किया गया, जिसमें जनपद पंचायत बिल्हा में 18653 स्वीकृत आवास निर्माण के लिए 207.18 करोड़ राशि दिया जा चुका है, इसी प्रकार जनपद पंचायत कोटा में 17760 स्वीकृत आवास निर्माण के लिए 186.07 करोड़, जनपद पंचायत मस्तूरी में 18999 स्वीकृत आवास निर्माण के लिए 206.52 करोड़ एवं जनपद पंचायत तखतपुर में 16310 स्वीकृत आवास निर्माण के लिए 168.80 करोड़ राशि दिया जा चुका है। जिले में कुल 71722 स्वीकृत आवासों के निर्माण के लिए

हितग्राहियों को कुल 768 करोड़ रूपए की राशि प्रदान की गई है। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए निर्धारित किश्तों में सीधे उनके बैंक खातों में डी.बी.टी के माध्यम से राशि अंतरित की जा रही है। इससे ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित एवं पक्के आवास का सपना साकार करने में महत्वपूर्ण सहायता मिल रही है। आवास निर्माण के साथ-साथ हितग्राहियों को अन्य शासकीय योजनाओं से भी लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सुधार हो सके। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की तस्वीर तेजी से बदल रही है। करीब 768 करोड़ रुपये के विकास संकल्प के तहत पक्के आवास, बुनियादी सुविधाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आधार मिला है। यह पहल केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में स्थायी सुधार और स्थानीय स्तर पर रोजगार व आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक व्यापक प्रयास के रूप में सामने आ रही है।

आईटीआई कोनी में अप्रेंटिसशिप अवेयरनेस प्रोग्राम एवं एल्युमनी मीट का आयोजन किया

बिलासपुर। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी में आज अप्रेंटिसशिप अवेयरनेस प्रोग्राम एवं एल्युमनी मीट का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, प्रशिक्षणार्थियों एवं युवाओं को अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा रोजगार के अवसरों की जानकारी देना और आईटीआई के पूर्व प्रशिक्षणार्थियों को संस्था से पुनः जोड़ना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात मॉडल आईटीआई कोनी के प्राचार्य श्री नवीन कुमार साहू ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों, उद्योग प्रतिनिधियों, एल्युमनी, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का स्वागत किया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं अप्रेंटिसशिप

प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि श्री बसंत साहू, डायरेक्टर, एस.एस. इलेक्ट्रिकल्स ने अपने उद्बोधन में युवाओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अप्रेंटिसशिप युवाओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ उद्योग जगत में कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती है, जिससे उनके लिए रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। संयुक्त संचालक श्री ए.के. सोनी ने अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण के महत्व एवं इसके माध्यम से युवाओं को मिलने वाले रोजगार संबंधी अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान श्री विक्रम प्रताप सिंह द्वारा अप्रेंटिसशिप योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रदान की गई। कार्यक्रम में 50 से अधिक एल्युमनी की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। इसके अलावा विभिन्न विद्यालयों से 150 से अधिक विद्यार्थी एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे।

सरकारी जमीन पर कथित अवैध कब्जे और निर्माण को लेकर प्रशासन हुआ सख्त

कोरबा। दर्री तहसील क्षेत्र में सरकारी जमीन पर कथित अवैध कब्जे और निर्माण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। ग्राम अगारखार, पटवारी हल्का नंबर 25 की सरकारी भूमि पर निर्माण को लेकर तहसीलदार दर्री की ओर से जारी नोटिस के बाद इलाके में हलचल तेज हो गई है। प्रशासन ने संबंधित जमीन पर नए बिजली कनेक्शन को मंजूरी नहीं देने और पहले से स्वीकृत कनेक्शन को रद्द करने के निर्देश दिए हैं। मामला ग्राम अगारखार स्थित खसरा नंबर 462/1, रकबा 0.829 हेक्टेयर सरकारी भूमि से जुड़ा बताया जा रहा है। इस जमीन पर कथित कब्जे और निर्माण को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। जानकारी के मुताबिक, न्यायालय की ओर से भी उक्त जमीन से अवैध कब्जा हटाने का आदेश दिया जा चुका है। इसी आदेश के आधार पर अब प्रशासन ने कार्रवाई आगे बढ़ाई है। तहसीलदार दर्री की ओर से बिजली कंपनी को निर्देश जारी करते हुए कहा गया है कि विवादित सरकारी जमीन पर किसी भी नए बिजली कनेक्शन को मंजूरी न दी जाए। वहीं, यदि किसी निर्माण के लिए बिजली कनेक्शन पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है तो उसे तत्काल रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन के इस कदम को विवादित भूमि पर निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर आरोप है कि सरकारी जमीन पर बड़े निर्माण की तैयारी की जा रही थी। ऐसे में प्रशासन के बिजली कनेक्शन रोकने के फैसले से निर्माण कार्य प्रभावित होना तय माना जा रहा है।

सड़क सुरक्षा को लेकर कलेक्टर-एसएसपी सख्त

■ अतिक्रमण और यातायात नियमों के उल्लंघन पर होगी नियमित कार्रवाई

■ इस वर्ष आठ माह में 212 लोगों की सड़क हादसों में मौत, मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं में 161 की गई जान

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने दुर्घटनाओं के एक-एक कारण की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए निर्धारित उपायों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयास से ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि फुटपाथ पैदल चलने वालों के लिए बनाया गया है और इस पर सबसे पहला अधिकार पैदल यात्रियों का है। उन्होंने नगर निगम को फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा और अतिक्रमण से जुड़े मामलों की सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट द्वारा भी निगरानी की जा रही है, इसलिए नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाना

जरूरी है। उन्होंने सड़कों को सुरक्षित रखने के साथ सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व, पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं नगर निगम की संयुक्त टीम प्रत्येक सप्ताह आकस्मिक कार्रवाई करेगी। उन्होंने सड़क किनारे अवैध कब्जे, यातायात में बाधा बनने वाली गतिविधियों और अन्य सुरक्षा संबंधी कमियों को चिन्हांकित कर तत्काल निराकरण करने को कहा। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने बताया कि इस वर्ष के शुरुआती आठ महीनों में जिले में सड़क दुर्घटनाओं में 212 लोगों की मृत्यु हुई है। इनमें 161 मौतें मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं में हुई हैं, जिनमें अधिकांश मामले आमने-सामने की टक्कर से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि हेलमेट का उपयोग कई मामलों में जान बचा सकता था। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को न्यूनतम करना सभी विभागों का साझा लक्ष्य होना चाहिए।

पीएम आवास की पहली किश्त लेकर निर्माण शुरू नहीं करने वालों पर होगी कार्रवाई.....

■ अंतिम चेतावनी के बाद स्वीकृति निरस्त कर दूसरे पात्र हितग्राही को मिलेगा लाभ, सरपंचों पर भी कार्रवाई के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक में शासन की फ्लैगशिप योजनाओं सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पीएम आवास योजना में पहली किश्त की राशि प्राप्त करने के बावजूद लंबे समय से निर्माण कार्य शुरू नहीं करने वाले हितग्राहियों के प्रकरणों में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे हितग्राहियों को अंतिम चेतावनी देकर निर्धारित समय में निर्माण शुरू नहीं करने पर स्वीकृति निरस्त की जाए तथा अपात्रता की स्थिति में नियमानुसार राशि की वसूली कर पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिया जाए। कलेक्टर ने बताया कि जिले में करीब 2 हजार ऐसे हितग्राही हैं, जिन्हें पीएम आवास की प्रथम किश्त मिले डेढ़ से दो वर्ष बीतने के बाद भी उनके द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। उन्होंने एसडीएम एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ऐसे प्रकरणों को प्राथमिकता से लेकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही शासकीय राशि के दुरुपयोग अथवा गबन के मामलों में संबंधित सरपंचों के विरुद्ध नियमानुसार प्रकरण दर्ज करने को कहा। मस्तूरी

विकासखंड के ग्राम दवनडीह में आंगनबाड़ी निर्माण कार्य अधूरा छोड़े जाने के मामले में संबंधित सरपंच के विरुद्ध धारा 40 के तहत हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए।

जीबी रामजी योजना से कन्वर्जेंस कर बड़े स्तर पर हों विकास कार्य -कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को बीबी रामजी योजना के साथ अपनी योजना का कन्वर्जेंस करते हुए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस नई योजना में 318 प्रकार के कार्य लिए जा सकते हैं। विभागीय योजनाओं में रामजी योजना के मजदूरी घटक को शामिल कर बड़े स्तर पर विकास एवं रोजगारमूलक कार्य कराए जा सकते हैं। उन्होंने गोधाम वाले ग्रामों में चारा उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ प्रत्येक गांव में जल संरक्षण की संरचनाएं तैयार करने पर जोर दिया। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में अब तक लगभग साढ़े 6 हजार सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं। कलेक्टर ने कहा कि सौर ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण के साथ बिजली की बचत और आर्थिक लाभ का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पोर्टल पर किसानों के पंजीयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए अभियान चलाकर शेष पंजीयन जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

शिक्षा विभाग:फर्जी बीईडी प्रमाण पत्र के जरिए पदोन्नति का आरोप

कोरबा। जिले के शिक्षा विभाग में अलग-अलग स्तर पर भ्रष्ट कारनामों को अंजाम दिया जा रहा है। जब यह भ्रष्टाचार ऊपर आता है तो उसे उजागर न होने देने के लिए कवायदें की जाती हैं। कुछ ऐसे ही कोशिशों के बीच फर्जी तरीके से दी गई पदोन्नति के मामले में की गई शिकायत को जांच से पहले ही वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। इस दबाव के चलते एक शिक्षक सह शिक्षक नेता के साथ कोरबा के बीआरसी और एक अन्य शिक्षक के द्वारा धमकी देने और बेल्ट निकालकर मारपीट करने के प्रयास का गंभीर आरोप लगा है। अंधरीकछार के विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) अनिल रात्रे और शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला आमापाली के शिक्षक मुकुंद केशव उपाध्याय के खिलाफ सिविल लाइन थाना रामपुर में अपराध दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ओम प्रकाश बघेल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़मार में व्याख्याता तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ का कार्यकारी प्रांताध्यक्ष है। ओम प्रकाश बघेल ने अपनी शिकायत में बताया है कि उन्होंने मुकुंद केशव उपाध्याय और अनिल रात्रे के खिलाफ कूटरचना कर फर्जी तरीके से बी.ईडी प्रमाण पत्र के माध्यम से पदोन्नति सूची में नाम शामिल कराने के संबंध में शिकायत की थी।

दम बढ़ाती हैं ये पांच

जीने के लिए खाना जरूरी है, लेकिन कई बार खाने में बरती गई लापरवाही जिंदगी के लिए खतरा बन जाती है। हालांकि इंसान ने खाने की इतनी किस्में इजाद की हैं कि ये बताना बहुत मुश्किल है कि कौन सी किस्म सर्वश्रेष्ठ है, लेकिन हम आपको बताने जा रहे हैं खाने की ऐसी पांच चीजों के बारे में, जिनमें सेहत बख्शने की असीम संभावना है....

पालक

साग की इस वैराइटी को विटामिन का पावर हाउस कहा जाता है। इसमें ए, सी, ई, के, बी-6 जैसे विटामिन एक साथ पाए जाते हैं। पालक में स्कीन और ब्रेस्ट कैंसर से लड़ने की सबसे ज्यादा ताकत होती है। मजे की बात है कि इसमें कोलेस्ट्रॉल बिल्कुल नही होता।

गाजर

रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाने में गाजर का कोई मुकाबला नही है। एक कप कतरे हुए गाजर में 52 कैलोरी होती है। इसके बावजूद इसमें कोलेस्ट्रॉल बिल्कुल नही होता। बच्चों के विकास में ये सबसे ज्यादा मददगार होता है। फेफड़े, स्कीन और मुंह के कैंसर से बचाने के लिए इसे रामबाण माना जाता है।

गोभी

शरीर में बनने वाले विषैले पदार्थ को रोकने में गोभी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सब्जियों की किसी भी किस्म की तुलना में इसमें पौष्टिकता सबसे अधिक होती है।

ब्राकली यानी हरी फूलगोभी

कैंसर और जन्म के साथ होने वाली बीमारियों से लड़ने में ये गोभी बेहद कारगर होती है। ये न सिर्फ हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है, बल्कि, हड्डियों को मजबूत करने की इसमें गजब की क्षमता होती है।

अमरुद

अमरुद को दिल का हीरा कहते हैं, क्योंकि दिल की बीमारियों को दूर रखने और कब्ज जैसी सामान्य समस्या को खत्म करने में इसका कोई जोड़ नही है। शुगर यानी मधुमेह की रोकथाम के लिए भी इस फल को औषधि की तरह इस्तेमाल किया जाता है।

ज्यादा पैरासिटामोल से कैंसर को दावत

पैरासिटामोल का सेवन हर घर में लोग करते हैं। शरीर में दर्द होने पर इस दवा को बिना डॉक्टर के सलाह के धड़ल्ले से लेते हैं। लेकिन नई शोध में शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि इस दवा के अधिक सेवन से रक्त कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

शोधकर्ताओं ने वॉशिंगटन के 65 हजार लोगों पर 10 सालों तक लगातार शोधकर इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं, तो इस पर शोधकर्ताओं का कहना है कि, इनमें से जो लोग पैरासिटामोल का इस्तेमाल धड़ल्ले से करते थे, ज्यादातर ऐसे लोगों में कैंसर के लक्षण पाए गए।

शोधकर्ताओं का कहना है

पैरासिटामोल में एसिटामिनोफेन नामक रसायन पाया जाता है, जो कैंसर का मुख्य कारक है। सिएटल स्थित हचीसन कैंसर रिसर्च सेंटर की शोधकर्ता एमिली वाइट का कहना है कि हमारे पास कुछ साक्ष्य मौजूद हैं, जिनके आधार पर पता चलता है कि एसिटामिनोफेन से रक्त कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। वैसे यह दवा दमा के लिए जिम्मेदार है।

थायरॉयड महिलाओं में होने वाला सबसे आम हार्मोन असंतुलन है। इसका कम या ज्यादा होना दोनों ही मानव शरीर के लिए बीमारी का कारण है। अगर हार्मोन कम होने लगता है तो आपके शरीर का मेटाबॉलिज्म बहुत तेज हो जाता है और आपकी ऊर्जा बहुत जल्दी खर्च हो जाती है। अगर बढ़ जाए तो शरीर की मेटाबॉलिज्म प्रक्रिया धीमी हो जाती है। ऐसे में शरीर में ऊर्जा बनना कम हो जाती है और थकान तथा सुस्ती बढ़ जाती है।

थायरॉयड का सबसे बड़ा कारण तनाव

हाल ही में एक शोध के मुताबिक तनाव आपके शरीर में थायरॉक्सिन हार्मोन के स्राव को नियंत्रित करता है। अगर आप लगातार तनाव में रहते हैं तो हार्मोन के स्राव पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। शोध के अनुसार जब तनाव का स्तर बढ़ता है तो इसका सबसे ज्यादा असर हमारी थायरॉयड ग्रंथि पर पड़ता है।

यह ग्रंथि हार्मोन के स्राव को बढ़ा देती है। शोध के अनुसार तनाव का सबसे ज्यादा असर पुरुषों पर होता है। पुरुषों में होने वाले थायरॉयड के 50 प्रतिशत मामले तनाव के कारण होते हैं। डॉक्टर जीसी वैष्णव के अनुसार तनाव के कारण पुरुषों में 'प्राइमरी हाइपो थायरोडिज्म' नामक परेशानी ज्यादा होती है। इसमें ग्रंथि काम करना बंद कर देती

है। इससे शरीर में रोग से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है और इससे निपटना बहुत मुश्किल हो जाता है। वह कहते हैं तनाव से पुरुषों में थायरॉयड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पहले महिलाओं और पुरुषों में इस बीमारी का अनुपात 10 से 1 हुआ करता था, जो अब घट कर 3 से 1 हो गया है।''

डॉक्टर आर.पी. सिंह का कहना है, ''पुरुषों में होने वाली आम परेशानी है थायरोटिस। यह सिर्फ तनाव के कारण होता है। थायरॉयड से परेशान 10 में से 5 पुरुषों को थायरोटिस की परेशानी ही होती है।'' वह कहते हैं, ''थायरोटिस का कोई इलाज नहीं है। इसके लिए आपको अपने पूरे जीवनकाल में रोज सुबह हार्मोन की गोलियां लेना पड़ती हैं। अगर आप एक सप्ताह के लिए भी गोलियां खाना बंद कर दें तो आपके शरीर का संतुलन खराब हो जाता है।'' डॉक्टर वैष्णव कहते हैं, ''इसका कोई इलाज नहीं है। मगर कुछ एहतियात बरत कर इस परेशानी से लंबे वक्त तक बचा जा सकता है।

अगर आप तनाव को अपने जीवन से कुछ हद तक बाहर निकाल दें और खाने में पोषक भोजन लें तो इस परेशानी से बच सकते हैं।'' वह कहते हैं, ''इसके अलावा योग और कुछ हल्के व्यायाम इससे बचने में आपकी मदद कर सकते हैं। थायरॉयड होने के बाद भी कुछ योगासन ऐसे हैं, जो इसके स्त्राव के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। अगर हम ऐसे आसनों को योगाचार्यों की देखरेख में करें तो इस परेशानी से बच सकते हैं।

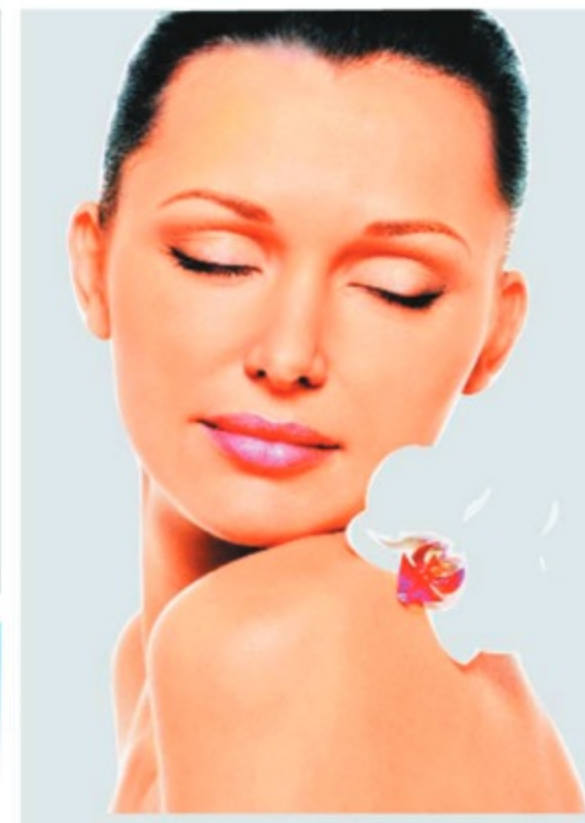

पत्तियों से निखारें छुपा सौन्दर्य

नीम

नीम की 10-12 पत्तियों को पीसकर सुबह खाली पेट पीने से गर्मी की घमौरियों व चर्मरोग का शमन होता है। नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर सिर धोने से बाल झड़ना रुक जाते है व जुएं, लीख मर जाती हैं।

बबूल

बबूल की पत्तियों को उबालकर उस पानी को कुल्ला करने से दांत व मसूड़े मजबूत होते हैं। बबूल की पत्तियों का रस निकालकर सरसों के तेल में मिलाकर लगाने से गर्मी के फोड़े-फुंसी में आराम मिलता है।

बड़

बड़ की पत्तियों के दूध में एक नींबू का रस मिलाकर सिर में आधे घंटे तक लगा रहने दें। फिर सिर को गुनगुने पानी से धो लें। इससे बालों का झड़ना बंद हो जाता है व बाल तेजी से बढ़ते हैं।

बेर

बेर की पत्तियों व नीम की पत्तियों को बारीक पीसकर उसमें नींबू का रस मिलाकर बालों में लगा लें व दो घंटे बाद बालों को धो लें। इसका एक माह तक प्रयोग करने से नए बाल उग आते हैं व बाल झड़ना बंद हो जाते हैं।

मेहंदी

मेहंदी की पत्तियों को पीसकर रात को सोते समय पैर के तलवों व नाखूनों पर लगाने से शरीर की गर्मी शांत होती है व लू लगने का भय नहीं रहता। मेहंदी हर हफ्ते बालों में लगाने से सिर की गर्मी शांत हो जाती है।

तुलसी

तुलसी के 8-10 पत्तों को पीसकर चीनी में मिलाकर पीने से लू नही लगती है। अगर लू लग गई है तो आराम मिल जाता है। रोज प्रात: खाली पेट तुलसी के चार पत्ते नियमित खाने से बीमारी नहीं होती है।

अकसर हम लोगों को यह कहते हुए सुनते हैं कि मेरे पिता को डायबिटीज थी, इसलिए मुझे भी यह समस्या है। ऐसी स्थिति में हमारे मन में स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि क्या ऐसा उपाय नहीं हो सकता जिससे हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां ऐसी आनुवंशिक समस्याओं से बची रहें। इस समस्या का समाधान वैज्ञानिकों ने हमारे भोजन में मौजूद तत्वों में ही ढूंढा है।

आहार चिकित्सा से करें आनुवांशिक रोगों पर काबू

शरीर की सबसे छोटी इकाई कोशिकाएं होती हैं और इन्हीं कोशिकाओं में मौजूद जींस पीढ़ी-दर-पीढ़ी हमारी आनुवंशिक खूबियों-खामियों के संवाहक होते हैं। वैज्ञानिक अनुसंधानों से यह बात प्रमाणित हो चुकी है कि अर्थराइटिस, कैंसर, डायबिटीज और पाचन तंत्र से संबंधित जिन गंभीर बीमारियों के लिए हमारी कोशिकाओं में मौजूद जींस को जिम्मेदार माना जाता है, वास्तव में जींस उसके लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार नही होते। दरअसल आनुवंशिक बीमारियों से संबंधित ये जींस हमारे शरीर में सुप्त अवस्था में रहते हैं लेकिन खानपान की गलत आदतों, वातावरण और जीवनशैली की वजह से सक्रिय हो उठते हैं, जिससे व्यक्ति कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार होता है। कई पाए जाते हैं। लेकिन कुछ परिस्थितियों में अधिकतापमान, सूर्य की तेज रोशनी या हवा के संपर्क में आने के बाद वनस्पतियों में मौजूद इन तत्वों का वाष्पीकरण हो जाता है और ये हवा में उड़ जाते हैं। फसलों की कटाई के समय भी ये नष्ट हो जाते हैं। इसके बाद जब इन्हें प्रोसेस्ड करके पैकेट या डिब्बे में बंद किया जाता है तो इस प्रक्रिया में उनके पोषक तत्वों की बची-कुची मात्रा भी नष्ट हो जाती है। अत: फाइटोन्यूट्रीएंट्स का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने के लिए प्रोसेस्ड सब्जियों, फलों और पॉलिश वाले अनाजों का इस्तेमाल न करें। ताजी सब्जियां, फल और बिना पॉलिश वाले अनाजों का सेवन फायदेमंद साबित होता है। ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ भी शरीर को आनुवंशिक बीमारियों से बचाने में

सहायक सिद्ध होते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

- वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध से यह प्रमाणित हो चुका है कि वैसे पौधे, जिन्हें उगाने में किसी तरह के खाद या कीटनाशक का इस्तेमाल नहीं किया जाता, उनकी अपनी रोगप्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। इसलिए ऐसे अनाजों, फलों और सब्जियों का सेवन हमारी कोशिकाओं को मजबूत बनाता है। शरीर में मौजूद विषैले पदार्थो को भी बाहर निकालने में भी मदद करता है।
- संतरा, नीबू, चकोतरा, मौसमी जैसे विटमिन सी युक्त फलों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत ज्यादा होती है। ऐसे फल हमारे शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकाल कर उसे स्वस्थ बनाए रखने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए ऐसे फलों का जूस अपने भोजन में जरूर शामिल करें।
- आम तौर पर हम फलों और सब्जियों के छिलके को बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन इनमें सबसे ज्यादा फाइबर पाया जाता है। यह हमारे शरीर के लिए बेहतर एंटी ऑक्सीडेंट का काम करता है। इसलिए जहां तक संभव हो छिलके सहित फलों और हरी सब्जियों का सेवन करें।
- आनुवंशिक बीमारियों पर नियंत्रण रखने के लिए डाइटीशियन खानपान की मेडिटरेनियन शैली अपनाने की सलाह देते हैं। दरअसल मेडिटरेनियन समुद्र के आसपास 16 देश स्थित हैं, जिनकी अलग-अलग विविधतापूर्ण संस्कृति और खानपान की शैली है। यहां के लोग अपने खानपान में हरी सब्जियां, फल और सैलेड का इस्तेमाल बहुत ज्यादा करते हैं।

अनुसंधानों के परिणाम से यह निष्कर्ष सामने आया है कि स्वस्थ खानपान अपना कर हम कई तरह की आनुवंशिक बीमारियों से काफी हद तक बचे रह सकते हैं। सेहत के प्रति जागरूकता रखने वाले लोगों के लिए यह अच्छी खबर है।

ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ

फाइटोन्यूट्रीएंट तत्व किसी भी पौधे के तने, पत्ते, फूल, फल या साबुत अनाज के ऊपरी हिस्से मां

फाइटोन्यूट्रीएंट

आनुवंशिक विज्ञान पर शोध कर रहे वैज्ञानिकों ने वनस्पतियों में मौजूद फाइटोन्यूट्रीएंट नामक एक ऐसे तत्व को ढूंढ निकाला है, जो हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने, मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को तेज करने, शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने और टूटी कोशिकाओं की मरम्मत का काम करता है। यह स्वास्थ्य संरक्षक तत्व प्राय: उन सभी अनाजों, सब्जियों और फलों में पाया जाता है, जो कि पौधों में उगते हैं। गहरे हरे और पीले रंग के फलों और सब्जियों (जैसे-पालक, मेथी, भिंडी, पपीता और आम आदि) में इसकी मात्रा अधिक होती है। अपने भोजन में इन सभी चीजों को जरूर शामिल करें क्योंकि इनमें मौजूद फाइटोन्यूट्रीएंट्स शरीर को कई तरह की गंभीर बीमारियों से बचाते हैं।

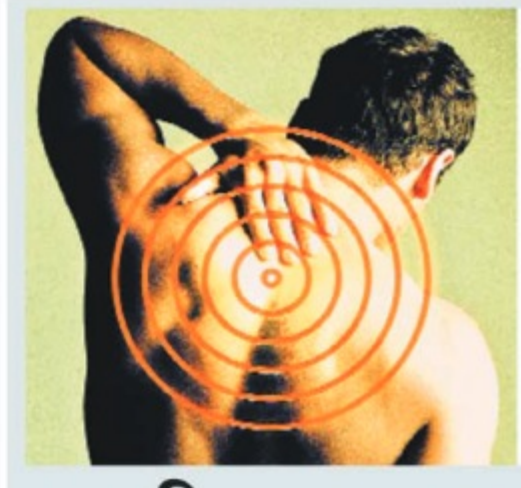

सायटिका पर काबू करेगा लड्डू

सायटिका से परेशान रोगियों के लिए एक बेहतर घरेलू उपचार जानें। गेहूँ का मोटा दरदरा आटा 1 किलो, असगन्ध, शतावर, दारु हल्दी, आंबा हल्दी, विदारीकन्द, सफेद मूसली सब 50-50 ग्राम लेकर कूट पीसकर मिला लें।

- *ग्वारपाठे का गूदा* 250 ग्राम के करीब निकाललें व गूदे में सभी 6 दवाई और आटा मिलाकर अच्छी तरह मसलें। अब इसमें 250ग्राम घी डालकर अच्छी तरह से मिलालें। जरा सा गर्म पानी डालकर मुट्ठे बनालें व घी में तलकर बारीक कूटकर मोटी छन्नी से छानकर घी कढ़ाई में डाल दें और हिला चलाकर छोडी देर तक सेकें ताकि पानी का कुछ अंश यदि रह गया हो तो जल जाए।
- अब डेढ किलो शक्कर की चाशनी बनालें। मुट्ठों की कुटी हुई सारी सामग्री को मोटे चल्ने से छानकर इसमें आवश्यक मात्रा में घी डालकर चाशनी में डाल दें। जब जमने लगे तब 50-50 ग्राम वजन के लड्डू बनालें। इच्छा के अनुसार बादाम, पिश्ता, घी में तला गोंद सब 50-50 ग्राम, केशर 2 ग्राम और छोटी इलायची 10 ग्राम डालकर लड्डू बनालें।
- सुबह व शाम 1-1 लड्डू खाकर उपर से मीठा कुनकुना गर्म दूध पी लें। इसके बाद 3 घंटे तक कुछ खाना पीना न करें। 45 दिन तक नियमित रुप से यह लड्डू खाने से सायटिका (गृध्रसी) सहित अन्य सभी वात व्याधियां (विशेषत: जोडों के दर्द से सम्बन्धित) दूर हो जाती हैं।

भाजपा के कद्दावर नेता प्रेमप्रकाश पाण्डेय की सुप्रीम कोर्ट में बड़ी जीत

सुप्रीम कोर्ट से देवेंद्र यादव को झटका, भिलाई नगर चुनाव याचिका का अब हाईकोर्ट में होगा ट्रायल

प्रेम प्रकाश पांडेय की निर्वाचन याचिका में अब सीधे साक्ष्यों की होगी परीक्षा

बिलासपुर/नई दिल्ली, 25 अगस्त। भिलाई नगर विधानसभा चुनाव से जुड़े निर्वाचन विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने विधायक देवेंद्र यादव को बड़ा झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 30 जून 2026 के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए देवेंद्र यादव की विशेष अनुमति याचिका (स्क्क) खारिज कर दी। इसके साथ ही अब प्रेम प्रकाश पांडेय की ओर से दायर निर्वाचन याचिका पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में नियमित ट्रायल का रास्ता साफ हो गया है।

2023 के चुनाव से शुरू हुआ विवाद

यह पूरा मामला वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भिलाई नगर सीट से देवेंद्र यादव के निर्वाचन को चुनौती देने वाली निर्वाचन याचिका क्रमांक 9/2024 से जुड़ा है। पूर्व मंत्री एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय ने देवेंद्र यादव के निर्वाचन को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया था। याचिका में नामांकन के दौरान दाखिल शपथ-पत्र में आवश्यक जानकारी के खुलासे सहित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों से जुड़े आरोप लगाए गए हैं।

हाइकोट म तय हुए थे पांच मुद्दे

निर्वाचन याचिका पर सुनवाई के दौरान छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 21 अगस्त 2024 को पांच मुद्दे तय किए थे। इनमें कुछ मुद्दे नामांकन शपथ-पत्र में आवश्यक जानकारी दिए जाने तथा निर्वाचन याचिका की वैधानिकता से संबंधित थे।

देवेंद्र यादव की ओर से बाद में हाईकोर्ट में आवेदन देकर मुद्दा क्रमांक 2 और 4 को प्रारंभिक मुद्दे के रूप में तय करने की मांग की गई थी। उनका तर्क था कि इन मुद्दों पर प्रारंभिक स्तर पर निर्णय हो जाने से मामले में साक्ष्य दर्ज करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और चुनाव याचिका का निपटारा किया जा सकता है।

30 जून को हाईकोर्ट ने आवेदन किया खारिज

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 30 जून 2026 को देवेंद्र यादव की इस मांग को खारिज कर दिया। न्यायालय ने माना कि संबंधित मुद्दे केवल कानून के प्रश्न नहीं हैं, बल्कि उनमें तथ्य और कानून दोनों जुड़े हुए हैं। आरोप सही हैं या नहीं, कानून का उल्लंघन हुआ या नहीं तथा कथित आचरण का चुनाव परिणाम पर कोई प्रभाव पड़ा या नहीं–इन प्रश्नों का निर्णय साक्ष्यों के परीक्षण के बाद ही किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ देवेंद्र यादव ने सुप्रीम कोर्ट में स्क्क (ष्द्व1द्बद्य) ह्रश. 28778/2026 दाखिल की। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को खारिज करते हुए हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष हुई।

दोनों पक्षों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने की पैरवी

सुप्रीम कोर्ट में देवेंद्र यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने पक्ष रखा, जबकि प्रेम प्रकाश पांडेय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने पैरवी की। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद निर्वाचन याचिका की सुनवाई हाईकोर्ट में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ेगी।

पहले भी सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली थी राहत

यह पहली बार नहीं है जब देवेंद्र यादव को इस निर्वाचन विवाद में सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। इससे पहले उन्होंने हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी ओर से आदेश 7 नियम 11 सीपीसी के तहत निर्वाचन याचिका को प्रारंभिक स्तर पर खारिज करने की मांग स्वीकार नहीं की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्क्क(ष्द्व1द्बद्य) ह्रश. 6306/2025 को 24 फरवरी 2026 को खारिज कर दिया था।

अब सीधे साक्ष्यों की होगी परीक्षा

सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद अब चुनाव विवाद का केंद्र हाईकोर्ट में होने वाला नियमित ट्रायल होगा। इसमें दोनों पक्ष अपने-अपने साक्ष्य पेश करेंगे और गवाहों से जिरह सहित अन्य न्यायिक प्रक्रिया पूरी होगी। इसके बाद ही निर्वाचन याचिका में लगाए गए आरोपों और बचाव का न्यायिक परीक्षण किया जाएगा। हाईकोर्ट ने पहले ही स्पष्ट किया था कि ऐसे तथ्यात्मक एवं कानूनी प्रश्नों का निर्णय साक्ष्य के आधार पर ही किया जा सकता है।

राजनीतिक प्रभाव पर भी नजर

इस मामले का संभावित प्रभाव भिलाई नगर विधानसभा के निर्वाचन परिणाम पर पड़ सकता है, लेकिन फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि निर्वाचन रद्द होगा या नहीं। सुप्रीम कोर्ट का 25 अगस्त का आदेश चुनाव विवाद का अंतिम फैसला नहीं है; उसने केवल हाईकोर्ट के उस आदेश में हस्तक्षेप से इनकार किया है, जिसके तहत मामले को नियमित ट्रायल और साक्ष्य की प्रक्रिया से आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है।अगला चरण अब हाईकोर्ट में साक्ष्य और सुनवाई का होगा।

11 हजार से अधिक बहनों ने बांधा विधायक रिकेश को रक्षा सूत्र, लोकांगन में उमड़ा स्नेह का सैलाब

अल्प सूचना पर उमड़ी बहनों की भीड़, दोपहर से शाम तक रक्षासूत्र बंधवाते रहे विधायक सेन – लोकांगन से गरबा ग्राउंड तक कतारों में दिखा भाई-बहन के प्रेम का अद्भुत नजारा

भिलाई नगर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर वैशाली नगर विधानसभा में भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और आत्मीय रिश्ते की अनूठी तस्वीर देखने को मिली। वैशाली नगर स्थित लोकांगन परिसर में रविवार को 11 हजार से अधिक बहनें अपने विधायक भाई रिकेश सेन को रक्षासूत्र बांधने पहुंचीं। अल्प सूचना पर इतनी बड़ी संख्या में बहनों के पहुंचने से लोकांगन परिसर ही नहीं, बल्कि गरबा ग्राउंड और आसपास का क्षेत्र भी बहनों की कतारों से भर गया।

रविवार की सुबह से ही बहनों का लोकांगन पहुंचना शुरू हो गया था। बीती रात विधायक रिकेश सेन के वीडियो संदेश के बाद महज कुछ घंटों के भीतर बड़ी संख्या में बहनें उन्हें राखी बांधने पहुंच गईं। आयोजन में रखी गई कुर्सियां कम पड़ गईं और दोपहर से शाम तक बहनें अपनी बारी का इंतजार करती नजर आईं। दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक विधायक सेन लगातार बहनों से रक्षासूत्र बंधवाते रहे। व्यवस्था को लेकर भी विधायक स्वयं सक्रिय नजर आए। लोकांगन के हर हिस्से में पहुंचकर उन्होंने बहनों से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि कोई भी बहन निराश होकर नहीं लौटेगी। उन्होंने कहा कि पार्षद से लेकर विधायक बनने तक वैशाली नगर की बहनों ने जिस आत्मीयता से उन्हें अपना भाई मानकर स्नेह और आशीर्वाद दिया है, उस रिश्ते का मान रखना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि जो बहनें आज उनसे नहीं मिल पाईं, उनके लिए भी अगले एक सप्ताह तक उपलब्ध रहने का प्रयास करेंगे।

रक्षाबंधन के इस आयोजन में बहनों ने अपने विधायक भाई का तिलक किया, आरती उतारी और रक्षासूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। भाई को राखी बांधने के बाद सैकड़ों बहनों ने विधायक की धर्मपत्नी डॉ. रिचा सेन को भी रक्षा सूत्र बांधा।

ढाई दशक पुराना रिश्ता, हर वर्ष बढ़ता गया स्नेह– गौरतलब है कि विधायक रिकेश सेन का बहनों से रक्षाबंधन का यह आत्मीय रिश्ता कोई नया नहीं है। पिछले करीब ढाई दशक से वे हर वर्ष रक्षाबंधन के सप्ताह भर पूर्व से ही बहनों से राखी बंधवाते आ रहे हैं। इस दौरान वे परंपरा के अनुरूप बहनों को उपहार भी देते रहे हैं। समय के साथ यह आयोजन लगातार व्यापक होता गया और रक्षासूत्र बांधने पहुंचने वाली बहनों की संख्या भी बढ़ती गई।

पिछले वर्ष वैशाली नगर विधानसभा में घरेलू कामकाज करने वाली महिलाओं के लिए शुरू की गई 'शक्ति योजना' के बाद इस आत्मीय रिश्ते का दायरा और बढ़ा। योजना से जुड़ी 22 हजार महिलाओं ने भी विधायक को अपना भाई मानकर रक्षाबंधन पर उन्हें राखी बांधनी शुरू की। यही वजह रही कि पिछले वर्ष भी सप्ताह भर तक बड़ी संख्या में बहनें विधायक से राखी बंधवाने और उन्हें राखी बांधने पहुंचती रहीं।

आपका आशीर्वाद ही मेरी शक्ति– विधायक रिकेश सेन ने बहनों के इस अपार स्नेह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वैशाली नगर की हजारों बहनों का आशीर्वाद ही उन्हें जनता की सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि इसी शक्ति और विश्वास के बल पर विधानसभा क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक जनोपयोगी योजनाएं शुरू की गई हैं, जिनका सीधा लाभ क्षेत्र की जनता को मिल रहा है।

उन्होंने बहनों से अपील की कि वे इसी तरह अपना स्नेह और आशीर्वाद बनाए रखें तथा ईश्वर से उनके स्वस्थ रहने की प्रार्थना करें, ताकि वे आगे भी वैशाली नगर की जनता के लिए नई और जनोपयोगी योजनाएं शुरू करते हुए निरंतर सेवा कर सकें। लोकांगन में उमड़ी हजारों बहनों की भीड़ ने रक्षाबंधन को महज एक पर्व नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच बने आत्मीय पारिवारिक रिश्ते के उत्सव में बदल दिया। अल्प सूचना पर उमड़ा यह स्नेह-सैलाब पूरे दिन वैशाली नगर भिलाई में चर्चा का विषय बना रहा।

आधुनिकता के दौर में संस्कृति का संरक्षण जरूरी, आदिवासी समुदाय के मध्य पहुंची जिपं सभापति

डोंगरगांव नगर। ग्राम पथराटोला तिलईरवार में 23 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के परिप्रेक्ष्य पर सर्व आदिवासी समाज ने विविध कार्यक्रम आयोजित किया। आयोजन में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, लोककला और सामाजिक एकजुटता की जीवंत झलक देखने को मिली। आदिवासी समाज के अनुयायियों ने पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर अपनी सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करते हुए आदिवासी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत राजनांदगांव की सभापति जागृति चुन्नी यदु ने अपने उदबोधन में कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराएं, लोककला और रीति-रिवाज हमारी समृद्ध सामाजिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखना बेहद जरूरी है। युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और गौरवशाली विरासत से जोड़ने के लिए समाज को निरंतर प्रयास करना चाहिए। जागृति चुन्नी यदु ने कहा कि समाज की एकता, शिक्षा और जागरूकता ही विकास की मजबूत नींव है। आदिवासी समाज की पहचान उसकी विशिष्ट संस्कृति, प्रकृति के प्रति प्रेम, पारंपरिक जीवनशैली और सामाजिक मूल्यों से होती है। इस विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना केवल समाज ही नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत डोंगरगांव की अध्यक्ष रंजीता कपिल पडौती ने की। उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज की प्रगति के लिए एकजुट होकर शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक विकास के क्षेत्र में कार्य करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि पूर्व पार्षद डोंगरगांव अर्पणा तिवारी, जनपद सदस्य कांति चंद्रवंशी, जनपद सदस्य कुमान सिंह नेताम, सरपंच नंदिका कुंजाम, राजकुमार साहू, छत्रपाल चंद्रवंशी, महिला अध्यक्ष परमिला उइके, रामरतन सिन्द्राम, सदस्य मिलाप तुमरेकी, रामेश्वर मंडावी, हिरामन धुर्वे, मोरध्वज चंद्रवंशी, रामदुलारी साहू, केदारनाथ वर्मा, गोवर्धन वैष्णव, जमुना चंद्रवंशी एवं गोकुल यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नेअमते उज़्मा कॉन्फ्रेंस, 26 को निकलेगा जुलूसे मोहम्मदी

दुर्ग, 25 अगस्त। आमदे मुस्तफा एवं जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर सीरत पाक कमेटी शहर दुर्ग द्वारा मंगलवार को एक रोजा अज़ीमुश्शान जलसा 'नेअमते उज़्मा कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन बाद नमाज मगरिब जामा मस्जिद, दुर्ग में होगा।

सीरत पाक कमेटी शहर दुर्ग के सदर सैय्यद अनीस रज़ा ने बताया कि रूहानी एवं इल्मी जलसे में मेहमान-ए-खुसूसी आले नबी, हजरत अल्लामा मौलाना पीर मुफ्ती सैय्यद ओहादुद्दीन माज़ अशरफ अशरफीउल जिलानी अजहरी मिस्बाही साहब किबला, किछौछा शरीफ उत्तर प्रदेश, शिरकत कर खिताब फरमाएंगे। कमेटी ने शहरवासियों एवं अकीदतमंदों से बड़ी संख्या में शामिल होकर महफिल को कामयाब बनाने की अपील की है।

26 अगस्त को निकलेगा जुलूसे मोहम्मदी– ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार, 26 अगस्त को सीरत पाक कमेटी शहर दुर्ग द्वारा जुलूसे मोहम्मदी निकाला जाएगा। जुलूस दोपहर 2 बजे बाद नमाज जोहर जामा मस्जिद, दुर्ग से रवाना होगा। जुलूस शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुनः जामा मस्जिद पहुंचेगा, जहां परचम कुशाई की रस्म अदा की जाएगी।

कमेटी ने तमाम आशिकाने रसूल से जुलूसे मोहम्मदी में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने तथा जुलूस के दौरान अनुशासन, अमन, शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील की है।

ईद मिलाद-उन-नबी के अवसर शहर में की गई आकर्षक लाईटिंग दुर्ग तकिया पारा की तस्वीर । फोटो : नाहीद शेख

अगर सर्विस रूल्स में कहा गया कि PSC का फैसला फाइनल है तो सरकार कैंडिडेट की योग्यता की दोबारा जांच नहीं कर सकती : सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जहां सर्विस रूल्स में साफ़ तौर पर कहा गया कि कैंडिडेट की योग्यता पर पब्लिक सर्विस कमीशन (PSC) का फ़ैसला फ़ाइनल होगा, वहां कमीशन द्वारा व्यक्ति को योग्य पाए जाने और नियुक्ति के लिए उसकी सिफ़ारिश करने के बाद सरकार स्वतंत्र रूप से उस व्यक्ति की योग्यता की दोबारा जांच या पूरी तरह से दोबारा मूल्यांकन नहीं कर सकती।

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस नोंगमेइकापम कोटिश्वर सिंह की बेंच ने शैलेंद्र कुमार पटेल से जुड़े मामले की सुनवाई की, जिन्हें छत्तीसगढ़ पब्लिक सर्विस कमीशन (CGPSC) ने स्टेट यूनिवर्सिटी में रजिस्ट्रार के पद के लिए चुना था और उनकी सिफ़ारिश की थी। सिफ़ारिश के बावजूद, राज्य सरकार ने अपनी जांच समिति बनाई, जिसने निष्कर्ष निकाला कि अपीलकर्ता के पास ज़रूरी अनुभव नहीं था, जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

कोर्ट ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीज़न बेंच और सिंगल बेंच के उन फ़ैसलों को रद्द किया, जिनमें राज्य सरकार के उस फ़ैसले को सही ठहराया गया, जिसके तहत राज्य क्कस्ष्ट द्वारा रजिस्ट्रार पद के लिए चुने और सिफ़ारिश किए गए अपीलकर्ताओं की योग्यता की विस्तृत जांच की गई

कोर्ट ने कहा, ...हमारा मानना है कि सरकार के लिए योग्यता के मुद्दे की स्वतंत्र रूप से दोबारा जांच करना और विस्तृत जांच के आधार पर कोई अलग निष्कर्ष निकालना (कि कैंडिडेट योग्य नहीं है) संभव नहीं था, क्योंकि योग्यता पर विचार करने का अधिकार नियुक्ति करने वाले अधिकारी से कानूनी रूप से लेकर विशेष रूप से कमीशन को सौंप दिया गया।÷ कोर्ट ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट

यूनिवर्सिटीज़ सर्विस रूल्स, 1983 के नियम 10 के तहत, योग्यता पर कमीशन का फ़ैसला फ़ाइनल है।

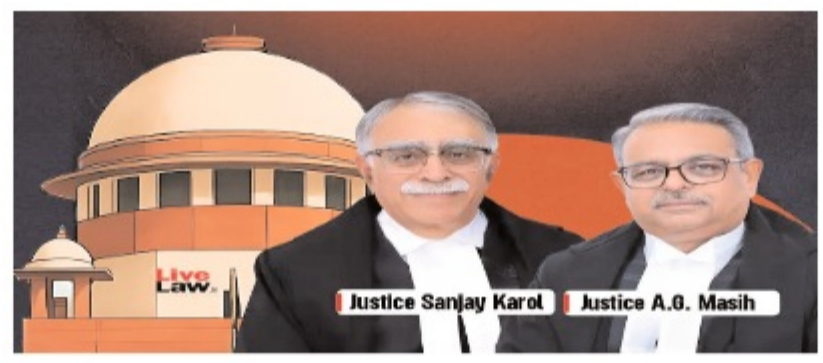

कोर्ट ने कहा, छत्तीसगढ़ स्टेट यूनिवर्सिटीज़ सर्विस रूल्स, 1983 का नियम 10 कैंडिडेट की योग्यता पर कमीशन के फ़ैसले को अंतिम मानता है... हालांकि, नियम 10 नियुक्ति करने वाले अधिकारी के योग्यता के संबंध में सत्यापन करने के अधिकार को रोकता या सीमित नहीं करता, लेकिन योग्यता पर नियुक्ति करने वाले अधिकारी का ऐसा कोई भी फ़ैसला योग्यता में स्पष्ट और साबित होने वाली कमी पर आधारित होना चाहिए।÷

उम्मीदवार की योग्यता के बारे में राज्य की जांच केवल दस्तावेजों के वेरिफिकेशन तक ही सीमित- कोर्ट ने साफ़ किया, ÷हालांकि प्रतिवादी-राज्य अपीलकर्ता की योग्यता की जांच करने के लिए अधिकृत है, लेकिन यह अधिकार केवल अंतिम नियुक्ति आदेश जारी करने से पहले अपनी संतुष्टि के लिए उसके दस्तावेजों के वेरिफिकेशन तक ही सीमित है। इसका मतलब यह नहीं है कि राज्य योग्यता की विस्तृत जांच कर सकता है, क्योंकि ऐसी जांच करना आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है।÷

कोर्ट ने कहा, इसलिए हमारी यह राय है कि नियम 10 के तहत आयोग के फैसले को जो अंतिम रूप दिया गया, वह नियुक्ति करने वाले अधिकारी को योग्यता के मुख्य सवाल की उस तरह से जांच करने से रोकता है, जैसा कि इस मामले में किया गया। वेरिफिकेशन केवल दस्तावेजों की असलियत जानने या अपीलकर्ता की योग्यता में किसी स्पष्ट कमी का पता लगाने के लिए हो सकता है, जो इस मामले में नहीं है। इसलिए 28.06.2023 की रिपोर्ट अपीलकर्ता की योग्यता को फिर से तय करने का आधार नहीं बन सकती, क्योंकि इसे कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं है और इसे नजरअंदाज किया जाना चाहिए। नतीजतन, अपील स्वीकार की गई, अपीलकर्ता को रजिस्ट्रार के पद के लिए योग्य घोषित किया गया और राज्य सरकार को तीन सप्ताह के भीतर अंतिम नियुक्ति आदेश जारी करने का निर्देश दिया गया। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि अपीलकर्ता उस तारीख से नियुक्ति का हकदार होगा, जिस तारीख को अन्य चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति की गई थी, हालांकि उसे प्रोविजनल अवधि के वेतन का बकाया नहीं मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com